

राहुल गांधी का नेतृत्व स्वीकार किया विपक्ष ने

मुद्दा था, संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र, जो सरकार ने महिला आरक्षण विधेयक को पारित करने के लिए आहूत किया है

रेणु मिश्रल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 15 अप्रैल। राहुल गांधी और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर विपक्ष की एक बैठक में, तृणमूल कांग्रेस की प्रतिनिधि और सांसद सागरिका घोष ने कहा कि चूंकि पश्चिम बंगाल में चुनाव चल रहे हैं, इसलिए सभी सांसद संसद में उपस्थित नहीं हो पाएंगे। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि केवल 5 से 7 सांसद ही मौजूद रह सकें।

इस पर आहत राहुल गांधी ने कहा कि यदि विपक्षी दलों के सभी सांसद नहीं आएंगे, तो यह संसद में भाजपा की मदद करने के बराबर होगा।

राहुल गांधी का समर्थन करते हुए, द्रमुक के टी.आर. बालू ने कहा कि तमिलनाडु में भी चुनाव हैं, लेकिन इसके बावजूद हमारी पार्टी के सभी सांसद संसद में बहस में हिस्सा लेने और अपनी आवाज उठाने के लिए उपस्थित

रहेंगे। "आप" के सांसद और राज्यसभा नेता संजय सिंह ने इस तर्क का समर्थन करते हुए कहा कि सभी विपक्षी दलों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके सांसद उपस्थित हों।

उन्होंने कहा कि यह मुद्दा चुनावों से बड़ा है और अगर स्थिति ऐसी ही रही, तो लोकतंत्र ही अर्थहीन हो जाएगा और चुनाव बेकार हो जाएंगे।

शिवसेना के नेता उद्धव ठाकरे, जो बैठक में ऑनलाइन जुड़े थे, ने कहा कि वे ममता बनर्जी से बात करेंगे और उनकी पार्टी के सभी सांसदों की संसद में उपस्थिति सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर देंगे।

अन्य उपस्थित लोगों ने भी यही भावना व्यक्त की और सभी ने उम्मीद जताई कि तृणमूल कांग्रेस और अन्य दलों के सभी सांसद इस मुद्दे पर भाजपा को परास्त करने के लिए संसद में उपस्थित होंगे।

अदालत ने सुबोध अग्रवाल को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा

जयपुर, 15 अप्रैल। एसीबी मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 ने जल जीवन मिशन घोटाले से जुड़े मामले में आरोपी पूर्व आईएएस और तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य जलदाय सचिव सुबोध अग्रवाल को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

एसीबी की ओर से रिमांड अवधि पूरी होने के बाद बुधवार को सुबोध अग्रवाल को अदालत में पेश किया गया। एसीबी की ओर से कहा गया कि अभी तक आरोपी से पूछताछ पूरी नहीं हो पाई है। ऐसे में उसकी रिमांड अवधि को दो दिन और बढ़ाया जाए। इसका विरोध

जलजीवन मिशन घोटाले के आरोपी अग्रवाल ने खतरों की आशंका जताते हुए अलग सेल में रखने की प्रार्थना की।

करीब 15 अप्रैल। एसीबी के सवालों का जवाब दे दिया है। ऐसे में उन्हें जेल भेजा जाए। इसके साथ ही, उन्होंने जेल में खतरा बताकर अन्य कैदियों से अलग सेल में रहने की गुहार की। सुनवाई के दौरान सुबोध अग्रवाल ने कहा कि एसीबी अधिकारी मीडिया को कह रहे हैं कि उसने कई सवालों के जवाब नहीं दिए, बताइए उन्होंने किन सवालों के जवाब नहीं दिए। गौरतलब है कि एसीबी (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में 10,000 सैनिक और भेजे

वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, ये दस हजार सैनिक गल्फ क्षेत्र में पहले से तैनात 50,000 सैनिकों को जाँइन करेंगे

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 15 अप्रैल। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान में युद्ध लगभग समाप्त हो चुका है। लेकिन इसके साथ ही, पेंटागन की योजना के अनुसार, अस्थायी युद्धविराम के 22 अप्रैल को समाप्त होने से ठीक पहले, मध्य पूर्व में 10,000 अतिरिक्त सैनिक भेजे जा रहे हैं। संकेत स्पष्ट है: जहाँ ट्रम्प युद्ध के जल्द खत्म होने की बात कर रहे हैं, वहीं वॉशिंगटन इस संभावना के लिए तैयारी कर रहा है कि संघर्ष और लंबा और गंभीर हो सकता है।

ट्रम्प अपने युद्ध संबंधी बयानों में विरोधाभासों को लेकर लगातार विवादित रहे हैं। उन्होंने हाल ही में फॉक्स न्यूज़ को कहा, "मुझे लगता है कि यह (संघर्ष) बहुत जल्द समाप्त हो जाएगा।" एक अन्य बयान में उन्होंने कहा, "दुनिया अगले दो दिनों में तैयारी से होते घटनाक्रम की गवाह बनेगी।" "वॉशिंगटन पोस्ट" की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका मिडिल ईस्ट में 10,000 अतिरिक्त सैनिक भेजने की तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया कि लगभग 6,000 सैनिक एयरक्राफ्ट

विशेषज्ञों के अनुसार, एक तरफ तो अमेरिकन राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप कह रहे हैं कि युद्ध समाप्त हो चुका है, दूसरी तरफ अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती, इससे ऐसा लगता है कि सीज़फायर, जो 22 अप्रैल को खत्म हो रहा है, के बाद संघर्ष और लंबा खिंच सकता है।

ट्रंप, ईरान युद्ध के बारे में परस्पर विरोधाभासी बयानबाजी करते रहे हैं। फॉक्स न्यूज़ को दिए गए एक बयान में उन्होंने कहा, मुझे लगता है, यह (युद्ध) जल्दी ही खत्म हो जाएगा, पर, अगले बयान में उन्होंने कहा, विश्व अगले दो दिनों में भारी सैन्य बल तैनाती देखेगा।

वॉशिंगटन पोस्ट के अनुसार, 6,000 सैनिक एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस जॉर्ज एच डब्ल्यू बुश व उसके साथ के जहाजों से लिए गए हैं तथा 4,200 सैनिक बॉक्सर एम्फीबियस रैंडी ग्रुप व इलैन्वथ मरीन एक्सपीडिशनरी यूनिट से लिए गए हैं।

कैरियर यूएसएस जॉर्ज बुश और उसके एस्कॉर्ट जहाजों पर हैं, जबकि अन्य 4,200 सैनिक बॉक्सर एम्फीबियस रैंडी ग्रुप और 11 वीं मरीन एक्सपीडिशनरी यूनिट से हैं। ये अतिरिक्त सैनिक लगभग 50,000 अमेरिकी कर्मियों के साथ शामिल होंगे, जो पहले से ही खाड़ी क्षेत्र में तैनात हैं। मध्य पूर्वी जल क्षेत्रों में तीन अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर्स भी मौजूद हैं। इस समय, अमेरिका ईरान पर दबाव बढ़ाने के लिए उसके बंदरगाहों पर नौसैनिक नाकेबंदी लागू कर रहा है, तथा ओमान की खाड़ी और अरब सागर में अमेरिकी युद्धपोत कई जहाजों को (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पंजाब सरकार ने राघव चड्ढा की ज़ैड प्लस सुरक्षा वापस ली

राघव की सुरक्षा में तैनात पंजाब पुलिसकर्मियों को तुरंत हैड क्वार्टर रिपोर्ट करने को कहा गया है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 15 अप्रैल। आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा राघव चड्ढा को राज्यसभा में पार्टी का उपनेता पद से हटाए जाने के कुछ ही दिन बाद, पंजाब सरकार ने आज सांसद को दी गई ज़ैड प्लस श्रेणी की सुरक्षा वापस ले ली।

37 वर्षीय चड्ढा की सुरक्षा में तैनात पंजाब पुलिस के अधिकारियों और कर्मियों को तुरंत मुख्यालय में रिपोर्ट करने का आदेश दिया गया है।

विश्व बैंक ने राजस्थान को 2,000 करोड़ रूपए दिए

जयपुर, 15 अप्रैल। विश्व बैंक के बोर्ड ऑफ एजीक्यूटिव डायरेक्टर्स ने राजस्थान में राज्य राजमार्गों की दक्षता, मजबूती और सुरक्षा सुधार के लिए 225 मिलियन डॉलर (लगभग 2 हजार करोड़ रुपये) से अधिक की

यह राशि राजमार्ग आधुनिकीकरण परियोजना के तहत 800 किमी सड़कों के उन्नयन व रखरखाव के लिए दी गई है।

राजस्थान राजमार्ग आधुनिकीकरण परियोजना को मंजूरी प्रदान की है। विश्व बैंक के अनुसार, इस परियोजना से औद्योगिक, खनन, पर्यटन और कृषि से संबंधित क्षेत्रों में रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। वहीं, 30 लाख से अधिक लोगों को बेहतर परिवहन कनेक्टिविटी का लाभ भी मिलेगा।

यह परियोजना राजस्थान और राजमार्ग प्राधिकरण को आधुनिक और सेवा केन्द्रित बनाने में मददगार साबित होगी। इससे प्राधिकरण प्रदेश में लगभग 800 किलोमीटर के चयनित राजमार्गों का उन्नयन और रखरखाव करेगा। साथ ही, राजस्थान में सड़क सुरक्षा प्रबंधन को और बेहतर बनाएगा। इस स्वीकृत प्रोजेक्ट से भारत में पहली बार स्टैप- (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

साफ जाहिर है कि आप नेतृत्व और पंजाब से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के बीच कटुता बहुत ज्यादा बढ़ गई है। आप नेतृत्व का आरोप है कि राघव संसद में प्रधानमंत्री मोदी और केन्द्र सरकार के खिलाफ प्रभावी तरीके से आवाज़ नहीं उठा रहे हैं और अपने व्यक्तिगत प्रचार में लगे हुए हैं। हालांकि राघव ने इन आरोपों का खंडन किया है।

इसी वजह से पहले उन्हें राज्यसभा में पार्टी के नेता पद से हटाया और अब ज़ैड प्लस सुरक्षा भी छीनी गई।

यह कार्यवाही आप और उसके पंजाब सांसद के बीच तेजी से बढ़ते और कटु होते मतभेदों के बीच की गई है। आप ने चड्ढा पर आरोप लगाया कि वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्र सरकार के खिलाफ संसद में अपनी आवाज उठाने से बचते रहे और इसके

बजाय "साँपट पीआर" में लगे रहे। इसी कारण पार्टी ने 2 अप्रैल को उन्हें राज्यसभा में उपनेता पद से हटा दिया। चड्ढा ने पार्टी के आरोपों को "झूठ" करार देते हुए कहा कि वे संसद में लोगों के मुद्दे उठाने जाते हैं, हंगामा करने के लिए नहीं।

अगर ईरान अपनी धमकी के अनुरूप "रेड सी" से ब्लॉक कर देता है, इस पूरे इलाके से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एकदम ठप्प हो जाएगा

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 15 अप्रैल। अमेरिकी सरकार द्वारा होर्मुज़ स्ट्रेट की नाकेबंदी पर गंभीर प्रतिक्रिया देते हुए, ईरान ने पश्चिम में लाल सागर से लेकर पूर्व में ओमान की खाड़ी तक विस्तृत जल क्षेत्र में जवाबी अवरोध की धमकी दी है। यदि यह प्रभावी ढंग से किया गया, तो इससे पूरे क्षेत्र में जहाजों की आवाजाही और अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रभावित हो सकता है, जिनमें यूरोप-एशिया मार्ग के लिए स्वेज नहर का उपयोग करने वाले जहाज भी शामिल हैं।

ऐसी तनावपूर्ण परिस्थितियों के बीच, अमेरिका खुद को पूरी तरह कूटनीतिक संकट में पा रहा है। रूस और चीन भी इसमें शामिल हो रहे हैं और अमेरिका को और अधिक अलग-

सुप्रीम कोर्ट ने निलंबित आरएएस हनुमाना राम को जमानत नहीं दी

जयपुर, 15 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने एसआई भर्ती-2021 की लिखित परीक्षा में डमी अभ्यर्थी बनकर दो उम्मीदवारों के स्थान पर परीक्षा देने वाले निलंबित आरएएस हनुमाना राम को जमानत देने से इनकार कर दिया है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस

अदालत ने कहा कि आरएएस होते हुए भी डमी अभ्यर्थी बनने वाले को जमानत नहीं मिल सकती।

सतीश चंद्र शर्मा की खंडपीठ ने ये आदेश आरोपी हनुमाना राम को जमानत याचिका को खारिज करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता पर तीन व्यक्तियों के लिए डमी अभ्यर्थी बनने का आरोप है। यह एक घटना नहीं है, बल्कि आरोपी के निरंतर आचरण को दर्शाती है। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खेड़ा को तेलंगाना हाई कोर्ट से मिली ट्रांज़िट बेल पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाई

सुप्रीम कोर्ट बैच ने कांग्रेस प्रवक्ता खेड़ा व अन्य को नोटिस जारी किया और असम सरकार की याचिका पर जवाब देने को कहा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 15 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार (15 अप्रैल, 2026) को तेलंगाना हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें कांग्रेस नेता और प्रवक्ता पवन खेड़ा को एक हफ्ते के लिए ट्रांज़िट अग्रिम जमानत दी गई थी। यह जमानत असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिन्की भुइयाँ सरमा द्वारा दर्ज एफआईआर से संबंधित थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनके पास कई पासपोर्ट हैं।

न्यायसूत्र जे.के. माहेश्वरी और ए.एस. चंदुरकर की पीठ ने हाईकोर्ट के आदेश पर आश्चर्य व्यक्त किया और कहा कि यदि कांग्रेस नेता उपयुक्त अदालत में अग्रिम जमानत

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिन्की भुइयाँ पर तीन देशों के पासपोर्ट होने का आरोप लगाया था, जिस पर रिन्की ने उन पर एफआईआर की थी।

पवन खेड़ा को गिरफ्तार करने के लिए भारी मात्रा में असम पुलिस बल ने दिल्ली में खेड़ा के आवास पर दबिश की थी। असम के मुख्यमंत्री के इस प्रतिकारी एक्शन के कारण पवन खेड़ा को तेलंगाना हाई कोर्ट से अग्रिम जमानत लेनी पड़ी।

तेलंगाना हाई कोर्ट ने उन्हें 7 दिन की ट्रांज़िट बेल दी थी, अर्थात इस अवधि में उन्हें असम की अदालत से जमानत लेनी ही होगी।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेके माहेश्वरी और ए.एस. चन्दुरकर की बैच ने कहा, अगर खेड़ा असम की अदालत में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन करते हैं तो यह रोक अप्रभावी हो जाएगी।

के लिए आवेदन करते हैं, तो इस रोक का उन पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा और न ही कोई प्रतिकूल

निष्कर्ष निकालेगा। पीठ ने पवन खेड़ा और अन्य प्रतिवादिनों को नोटिस भी जारी किया

है, और असम सरकार की हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर उनके जवाब मांगे हैं।

अमेरिका के ब्लॉकेड के प्रत्युत्तर में ईरान ने भी "काउन्टर ब्लॉकेड" की धमकी दी

अगर ईरान अपनी धमकी के अनुरूप "रेड सी" से ब्लॉक कर देता है, इस पूरे इलाके से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एकदम ठप्प हो जाएगा

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 15 अप्रैल। अमेरिकी सरकार द्वारा होर्मुज़ स्ट्रेट की नाकेबंदी पर गंभीर प्रतिक्रिया देते हुए, ईरान ने पश्चिम में लाल सागर से लेकर पूर्व में ओमान की खाड़ी तक विस्तृत जल क्षेत्र में जवाबी अवरोध की धमकी दी है। यदि यह प्रभावी ढंग से किया गया, तो इससे पूरे क्षेत्र में जहाजों की आवाजाही और अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रभावित हो सकता है, जिनमें यूरोप-एशिया मार्ग के लिए स्वेज नहर का उपयोग करने वाले जहाज भी शामिल हैं।

ऐसी तनावपूर्ण परिस्थितियों के बीच, अमेरिका खुद को पूरी तरह कूटनीतिक संकट में पा रहा है। रूस और चीन भी इसमें शामिल हो रहे हैं और अमेरिका को और अधिक अलग-

चीन व रूस भी इस ब्लॉकेड प्रकरण में ईरान के साथ हैं तथा अमेरिका अकेला पड़ता जा रहा है।

हताश होकर, अमेरिका ईरान से दोबारा वार्ता शुरू करना चाहता है, जिससे दो सप्ताह की "सीज़फायर" की अवधि कुछ और समय तक बढ़ाई जा सके।

ट्रंप ने अपने आप एक तरफा घोषणा कर दी है कि वार्ता शुरू हो रही है।

ट्रंप इस्लामाबाद में वार्ता करना चाहते हैं, पर, दूसरा पक्ष यूरोप में किसी सैन्ट्रल स्थान पर वार्ता आयोजित करना चाहता है।

चाहिए, जबकि कुछ अन्य पक्ष सुझाव दे रहे हैं कि इसे ऐसे स्थान पर किया जाए जो ज्यादा केंद्रीय क्षेत्र, जैसे कि यूरोप के किसी स्थान, में आयोजित किया जाना चाहिए। स्थान परिवर्तन से संभवतः अधिक व्यापक प्रतिनिधित्व की संभावना बन सकती है। विडंबना यह है कि सबसे बड़ी

अड़चन है, ईरान का परमाणु कार्यक्रम जो, केवल उन शर्तों को फिर से हासिल करने की कोशिश कर रहा है, जो जेसीपीओए समझौते के तहत पहली प्राप्त हो चुकी थीं।

जेसीपीओए समझौता, जो प्रमुख परमाणु शक्तियों के बीच लंबी बातचीत के बाद हुआ था, डॉनल्ड ट्रम्प ने अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद इसे रद्द कर दिया गया। इसके बाद ईरान ने जेसीपीओए समझौते के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं से बाहर निकलते हुए एक मजबूत परमाणु कार्यक्रम शुरू किया, जिससे परमाणु हथियार क्षमता हासिल करने की संभावना बढ़ गई।

अमेरिका और ईरान के बीच इस्लामाबाद वार्ता कई मुद्दों पर अटकली हुई थी, जिसमें परमाणु कार्यक्रम भी शामिल था। वार्ता विफल होने के बाद,

अमेरिका ने होर्मुज़ स्ट्रेट की नाकेबंदी की घोषणा की, जिससे यहाँ जहाजों की आवाजाही प्रभावी रूप से रोक दी गई। इस जलमार्ग से तेल का परिणाम लगभग रुक गया।

इससे कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं को झटका लगा, जो होर्मुज़ स्ट्रेट के माध्यम से तेल की आवाजाही पर बहुत ज्यादा निर्भर भारी निर्भर थीं, जिनमें चीन और अधिकांश एशियाई देश शामिल हैं। नाकेबंदी की अमेरिका की घोषणा की चीन ने "खतरनाक और गैर-जिम्मेदाराना" करार देते हुए कड़ी निंदा की।

वास्तव में, अनुमान के अनुसार, चीन अपना 40 प्रतिशत तेल ईरान से लेता है, और चीन अपनी रणनीतिक तेल भंडार में गंभीर कमी से आशंकिता है। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीबीएसई के कक्षा दस के नतीजे घोषित

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बुधवार को कक्षा 10 की परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। इस वर्ष कुल 93.70 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण

छात्रों का प्रदर्शन छात्रों से बेहतर रहा 94.99 प्रतिशत छात्रों तथा 92.69 प्रतिशत छात्र पास हुए।

हुए, जो पिछले वर्ष के 93.66 प्रतिशत की तुलना में 0.04 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्शाता है।

बोर्ड के अनुसार, इस वर्ष 24,83,479 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 24,71,777 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए और 23,16,008 छात्र-छात्राएं सफल घोषित किए गए। परीक्षा का आयोजन 17 फरवरी से 11 मार्च 2026 तक किया गया था। क्षेत्रवार प्रदर्शन में, त्रिवेन्द्रम और विजयवाड़ा क्षेत्र 99.79 (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

कदम पीछे ना हटाने वाला ही ऐश्वर्य को जीतता है। -ऋग्वेद

तारीख पर तारीख: न्याय नहीं, पेंशनरों के साथ निर्मम प्रतीक्षा

राज्य के कृषि विश्वविद्यालयों के पेंशनरों की पीड़ा अब केवल एक प्रशासनिक या वित्तीय समस्या नहीं रह गई है; यह शासन की संवेदनहीनता, न्यायिक विलंब और नीतिगत असफलताओं का ऐसा ज्वलंत उदाहरण बन चुकी है, जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंताजनक है। जिन लोगों ने अपने जीवन के स्वर्णिम वर्ष शिक्षा, अनुसंधान और कृषि विकास को समर्पित कर दिए, आज वही अपने अधिकार-पेंशन-के लिए दर-दर भटकने को विवश हैं। यह स्थिति न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि राज्य की नैतिक जिम्मेदारी पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है।

इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत 08 फरवरी 2010 को प्रकाशित एक समाचार से हुई, जिसने इस अन्याय को सार्वजनिक मंच पर उजागर किया। मामला इतना गंभीर था कि राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर को स्वतः संज्ञान लेना पड़ा। 24 सितंबर 2010 को न्यायालय ने स्पष्ट निर्देश दिए कि राज्य सरकार विश्वविद्यालयों को पर्याप्त वित्तीय सहायता उपलब्ध कराए तथा पेंशनरों को विलंब अर्थात् के व्याज सहित सम्मत देय भुगतान सुनिश्चित किया जाए, उस समय सरकार ने आदेश की पालना की और अनुदान एवं ऋण के माध्यम से विश्वविद्यालयों को राहत दी गई, जिससे पेंशनरों को बकाया राशि, छठे वेतनमान का परिचय तथा ग्रेजुएटी का भुगतान हो सका।

परंतु यह समाधान स्थायी नहीं था—यह केवल एक अस्थायी राहत थी। वर्ष 2014 में राज्य सरकार ने अचानक पेंशन के लिए अनुदान और ऋण देना बंद कर दिया। यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक बदलाव नहीं था, बल्कि हजारों बुजुर्ग पेंशनरों के जीवन पर सीधा आघात था। आर्थिक असुरक्षा, मानसिक तनाव और सामाजिक असम्मान की त्रासदी ने पेंशनरों को फिर से न्यायालय की राफ्त लेने के लिए मजबूर कर दिया।

स्वामी केशवदास कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के पेंशनरों ने वेल्फेयर सोसायटी ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। 3 मई 2016 को राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर ने एक बार फिर राज्य सरकार को निर्देशित किया कि वह विश्वविद्यालय को पर्याप्त वित्तीय सहायता प्रदान करे ताकि निर्मित पेंशन के साथ 11 माह की बकाया पेंशन का भुगतान किया जा सके। न्यायालय ने इस दौरान यह भी उल्लेख किया कि याचिका के लंबित रहने के दौरान 25 पेंशनरों का निधन हो जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। यह टिप्पणी केवल संवेदना नहीं थी, बल्कि व्यवस्था पर एक कठोर टिप्पणी थी।

लेकिन इसके बाद जो हुआ, वह और भी चिंताजनक है। राज्य सरकार ने इस आदेश का पालन करने के बजाय डबल बेंच में अपील दायर कर दी। तर्क दिया गया कि विश्वविद्यालय स्वायत्तशासी संस्था है और पेंशन का दायित्व उसी का है। यह तर्क न केवल तकनीकी रूप से कमजोर है, बल्कि नैतिक रूप से भी अस्वीकार्य है। विश्वविद्यालयों की वित्तीय स्थिति स्वयं इस दावे का खंडन करती है—जहाँ सीमित छात्र संख्या, नाण्य फीस आय और कृषि अनुसंधान केंद्रों से कोई ठोस आय नहीं है, वहाँ पेंशन जैसे दीर्घकालिक दायित्वों का निर्वहन कैसे संभव है?

मई 2017 में डबल बेंच ने अंतिम राहत देते हुए तीन माह की पेंशन के भुगतान का आदेश दिया। इसके बाद यह व्यवस्था बनी कि जब तक अपील लंबित है, राज्य सरकार पेंशन के लिए राशि देती रहेगी। लेकिन

यह केवल पेंशनरों की लड़ाई नहीं है, यह न्याय, संवेदनशीलता और शासन की जवाबदेही की लड़ाई है। अब और विलंब न केवल अन्याय होगा, बल्कि इतिहास में एक कलंक के रूप में दर्ज होगा। और भी चिंताजनक बात यह है कि इस पूरे प्रकरण ने समाज में एक खतरनाक संदेश प्रसारित किया है—कि यदि आप जीवन भर ईमानदारी से सेवा भी करें, तो भी बुद्धि के प्रति अधिकारों के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है।

द्वेष का, जिसमें यह मांग की गई कि पेंशन की जिम्मेदारी पूर्णतः राज्य सरकार उठाए और पेंशनरों को राज्य कर्मचारियों के समान लाभ मिले। यह मांग न केवल न्यायोचित है, बल्कि व्यावहारिक भी है। परंतु पाँच वर्षों में इस याचिका की प्रगति भी अत्यंत निराशाजनक है—सरकार ने नोटिस का जवाब देना तक आवश्यक नहीं समझा। आज स्थिति यह है कि लगभग 3000 पेंशनर इस अन्यायपूर्ण व्यवस्था के शिकार हैं। इनमें से लगभग 300 पेंशनर अपने अधिकार की प्रतीक्षा करते-करते इस दुनिया से विदा हो चुके हैं। यह केवल आँकड़े नहीं हैं, बल्कि एक संवेदनशील व्यवस्था का मौन अभियोग है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या एक कल्याणकारी राज्य में बुजुर्ग नागरिकों को अपने जीवन के अंतिम चरण में इस प्रकार अमान और असुरक्षा का सामना करना चाहिए? क्या न्याय केवल आदेशों तक सीमित रह जाएगा, या उसका वास्तविक क्रियान्वयन भी सुनिश्चित किया जाएगा? क्या तारीख पर तारीख की यह परंपरा कभी समाप्त होगी? राज्य सरकार अक्सर वित्तीय संकट का तर्क प्रस्तुत करती है, परंतु यह तर्क वास्तविकता के धरातल पर टिकता नहीं है। राज्य का वार्षिक बजट लाखों करोड़ का है, जिसमें से कुछ सौ करोड़ रुपये पेंशनरों के लिए आवंटित करना कोई असंभव कार्य नहीं है। यह मुद्दा संसाधनों का नहीं, बल्कि प्राथमिकताओं का है। जब सरकार बड़े-बड़े विकास कार्यों और योजनाओं पर खर्च कर सकती है, तो अपने ही कर्मचारियों के जीवन निर्वाह के लिए आवश्यक राशि क्यों नहीं दे सकती? अब समय आ गया है कि इस विषय पर अंतिम और ठोस निर्णय लिया जाए। पेंशन केवल आर्थिक सहायता नहीं है, यह उन वर्षों की मेहनत और समर्पण का सम्मान है, जो इन पेंशनरों ने राज्य के विकास के लिए दिए हैं। यदि इस समस्या का शांति समाधान नहीं किया गया, तो यह तारीख पर तारीख की कहानी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक कड़वा उदाहरण बन जाएगी—एक ऐसा उदाहरण, जहाँ एक राज्य अपने ही कर्मियों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने में असफल हो। यह केवल पेंशनरों की लड़ाई नहीं है, यह न्याय, संवेदनशीलता और शासन की जवाबदेही की लड़ाई है। अब और विलंब न केवल अन्याय होगा, बल्कि इतिहास में एक कलंक के रूप में दर्ज होगा। और भी चिंताजनक बात यह है कि इस पूरे प्रकरण ने समाज में एक खतरनाक संदेश प्रसारित किया है—कि यदि आप जीवन भर ईमानदारी से सेवा भी करें, तो भी बुद्धि के प्रति अधिकारों के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है। इससे युवा पीढ़ी के मन में सरकारी सेवाओं के प्रति विश्वास का क्षय होता है। एक जिम्मेदार सरकार का दायित्व केवल योजनाएँ बनाना नहीं, बल्कि अपने कर्मियों को सुरक्षा और सम्मान देना भी है। यदि आज पेंशनरों के साथ यह अन्याय जारी रहा, तो कल यह व्यवस्था की विश्वसनीयता को ही खोखला कर देगा। इसलिए अब निर्णय का समय है—और वह भी तुरंत, स्पष्ट और न्यायपूर्ण।

-अतिथि सम्पादक,
डॉ. पी. सी. कंठालिया,
पूर्व प्रोफेसर एवं उपाध्यक्ष

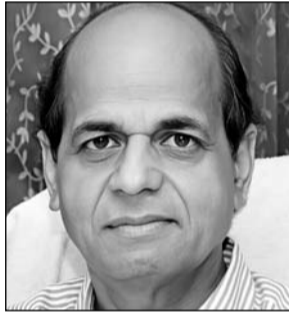
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रा. विश्वविद्यालय पेंशनर वेल्फेयर सोसाइटी, उदयपुर



मणिमाला शर्मा

सुरक्षा को स्वीकार करना है? 9 अप्रैल 2026 को न्यू सांगानेर रोड (इस्कॉन रोड) पर जो हुआ, उसने इस सच्चाई को नंगा कर दिया। बाइक टैक्सि पर बैठी एक युवती के साथ दो मनचले युवकों ने छेड़छाड़ की और फिर उसी का वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। देखा जाए तो उन दोनों ने केवल अपराध ही नहीं किया बल्कि कानून की खुरी चुनौती दी है। मनराज और सुदामा मीणा नाम के ये दोनों आरोपी क्या यह नहीं जानते थे कि ये अपराध कर रहे हैं? या उन्हें पूरा भरोसा था कि यह सब करने के बाद भी उनका कुछ नहीं बिगड़ेगा? जब अपराधी अपने गलत कृत्यों को छिपाने के बजाय उसे 'रील' बनाकर दिखाते हैं, तो यह समझ लेना चाहिए कि उन्हें कानून का कोई डर ही नहीं बचा है। यह घटना अकेली नहीं है। माच में चारदीवारी क्षेत्र में एक जर्मन महिला पर्यटक को हिंदा सिखाने के बहाने अश्लील गालियाँ उड़ाई जाती हैं और उसका मजाक उड़ाया जाता है। 5 अप्रैल को जयपुर किले के पास सुबह की सैर पर निकली एक जापानी महिला पर्यटक को पाँच युवक धर लेते हैं और उसके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश करते हैं। यह यह केवल सामान्य बदमाजी नहीं, बल्कि उस शहर की पहचान पर चोट है, जो खुद को मेहमाननाजी की मिसाल बताता है। अगर 'अतिथि' ही असुरक्षित है, तो हमारी संस्कृति का दाय

नदारद होते नीड़ और वीरान होते वन-उपवन



डॉ. कैलाश चन्द्र सैनी

जब चिड़ियाँ खामोश होती हैं, तो केवल पेड़ ही नहीं, हमारे बचपन की संवेदाएँ भी सूख जाती हैं। कंक्रीट के इस दौर में परिंदों की चुपकी एक बड़ी चेतावनी है। क्या हम मुट्ठी भर दाना और एक सकोरा पानी देकर अपनी इस खोती हुई विरासत को बचाने के लिए तैयार हैं? यह लेख उसी उजड़ती दुनिया की एक मर्मस्पर्शी पुकार है। परिंदों के बिना जीवन की सरसता वैसी ही है जैसे बिना आत्मा का शरीर निस्पंद, नीरस और रिक्त। हमारे पूर्वजों ने एक ऐसा संसार रचा था जहाँ प्रकृति और मनुष्य के बीच एक सहज, आत्मीय और अटूट सेतु था। पेड़ केवल हरियाली नहीं थे, वे सैकड़ों परिन्दों के घर थे; और आँगन केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि जीवन की गुँज से भरा एक जीवंत संसार था। लेकिन आज, विकास की अंधी दौड़ में हमने उस सेतु को निरममता से ध्वस्त कर दिया है। परिंदों का वह मधुर 'कलरव', जो कभी हमारे कानों में मिश्री घोलता था, अब शहरी कोलाहल और मशीनी शोर के नीचे दबकर कहीं खोता जा रहा है। भोर की वह विलुप्त होती दस्तक एक समय था जब हमारी सुबह किसी कुत्रिम अलार्म की कर्कश ध्वनि से नहीं, बल्कि घर-आँगन के पेड़ों पर बैठे चिड़ियों की चहचहाहट से होती थी। गौरैया घर की ऐसी सदस्य थी जो तस्वीरों के पीछे, रोशनदानों में, या दीवारों की छोटी-छोटी दरारों में बिना अनुमति लिए ही अपना घर बसा लेती थी। उसकी चंचलता घर के हर कोने में जीवन का स्पंदन भर देती थी। परंतु आज के आधुनिक 'स्मार्ट होमस्' ने इन मासूम जीवों के लिए अपने दरवाजे बंद कर लिए हैं। रोशनदानों की जगह एयर-कंडीशनर की डक्ट्स ने ले ली है, और खुली खिड़कियों की जगह काँच की बंद दीवारों ने आलुबुली गौरैया और वास्तविकता से कुछ स्मृतियों का हिस्सा बनती जा रही है। अलग सुबह, जहाँ कभी पेड़ों की घनी छांव में उनका सामूहिक कलरव एक मधुर राग छेड़ता था, वहाँ अब एक अजीब-सी खामोशी पसरी रहती हैमानो प्रकृति स्वयं किसी खोई हुई धुन को तलाश रही हो। दोपहर का सन्नाटा और लुप्त होने शिकारों दोपहर की चिलचिलाती धूप में जब वातावरण ठहर-सा जाता था, तब बिजली के तारों पर बैठा हरा पतंगिया अपनी अद्भुत फुल्लों से सबका ध्यान आकर्षित करता था। हवा में उड़ते कौट को को बिजली-सी गति से झपटकर पकड़ लेना, और फिर उसी तार पर बैठकर अपनी चोंच को तार से टकराते हुए उसे निगल जाना, यह दृश्य किसी कुशल योद्धा के सचे हुए अभ्यास जैसा प्रतीत होता था। इसी तरह कलगीधारी हुदहूद भी कभी घरों के लॉन और बगीचों की मुलायम मिट्टी में अपनी लंबी चोंच डालकर भोजन खोजता था। आज स्थिति यह है कि शहरों में लॉन सिर्फ घास हैं, बगीचाएँ समाप्त हो गई हैं, और जहाँ कभी मिट्टी की सौंधी महक थी,

किस काम का?

अब सीधा सवाल यह है कि जब कानून मौजूद है, तो उनका असर क्यों नहीं दिखता? भारतीय दंड संहिता की धारा 354, 354, 354 और 509 स्पष्ट रूप से ऐसे अपराधों को परिभाषित करती है और सजा का प्रावधान तय करती है। नए आपराधिक कानूनों में भी महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सख्ती दिखाई गई है। फिर भी अगर अपराधी खुलेआम अपराध कर रहे हैं और उसे रिपोर्ट कर प्रसारित भी कर रहे हैं, तो यह कानून की कमी नहीं, बल्कि उसके लागू होने की विफलता है। अब देखने वाली ओर पुलिस प्रशासन से सवाल पूछने की जरूरत है कि क्या इन मामलों में तुरंत दर्ज हुई है? क्या आरोपियों को उसी तेजी से गिरफ्तार किया गया, जिस तेजी से वीडियो वायरल हुआ? और सबसे अहम सवाल कि क्या इन मामलों में आरोपियों को सजा होगी, और वह भी समयबद्ध? या फिर हर बार की तरह यह मामला भी कुछ दिनों की सुधिघों के बाद टंडा पड़ जाएगा? अगर सजा का डर नहीं है, तो कानून केवल कितानों में जिंदा रहता है, सडकों पर नहीं। पुलिस पर भी सवाल उठाना लाजमी है। हर बार वही कहानी और घटना दोहराई जाती है, पहले वीडियो वायरल होता है, फिर कार्रवाई शुरू होती है। तो क्या पुलिस अब सिर्फ सोशल मीडिया के दबाव पर काम करेगी? सवाल यह उठता है कि 'प्रिवेंटिव पुलिसिंग' यानी

अपराध होने से पहले उसे रोकने की जिम्मेदारी क्या अब सिस्टम से गायब हो चुकी है? पुलिस की शहर के संवेदनशील इलाकों, सुनसान सडकों और पर्यटन स्थलों पर नियमित गश्त क्यों नहीं दिखती है? सदी बर्दी में पुलिसकर्मी क्यों नहीं नजर आते? पर्यटन स्थलों पर महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती क्यों नहीं की जाती है? इन सब मामलों में सरकार से भी जवाब मांगा जाना चाहिए। 'स्मार्ट सिटी' के नाम पर कैमरों और कंट्रोल रूम की लंबी-चौड़ी व्यवस्था खड़ी की गई है। लेकिन क्या ये कैमरे केवल फुटेज रिकॉर्ड करने के लिए हैं, या फिर कभी इन्हें अपराध रोकने के लिए भी यूज किया जाएगा? बाइक-टैक्सि और कैब सेवाओं का वेरिफिकेशन कहाँ है? रियल टाइम ट्रैकिंग सिस्टम क्यों नहीं लागू है? पर्यटन स्थलों की सुरक्षा का स्वतंत्र ऑडिट आखिरी बार कब हुआ था? यह कुछ सवाल हैं जिनके जवाब सरकार और पुलिस प्रशासन को देने ही होंगे और ऐसी कड़ी कानून व्यवस्था लागू करनी होगी ताकि आगे से कोई भी अपराधी अपराध करने से पहले सौ बार सोचे।

ये सही समाज भी कम दोषी नहीं है। कानून वही इस पूरी कहानी में निर्दोष है। बिल्कुल नहीं। इस्कॉन रोड की घटना हो या अन्य मामला हर जगह लोग मौजूद थे, मोबाइल निकालकर वीडियो बना रहे थे लेकिन किसी ने आगे बढ़कर रोकने की कोशिश नहीं की। यह

-मणिमाला शर्मा,
सोनीयर जर्नलिस्ट



खिलाना नहीं है, यह उस 'ऋण' की आंशिक पूर्ति का प्रयास है, जो हम पर प्रकृति का है।

गोधुलि वेला: सरल सवालों के कठिन जवाब

सांझ ढलते ही जब आकाश सिंदरी आभा से रंगीन होता है और पक्षियों के झुंड अपने बसेरों की ओर लौटते हैं, तब एक विहंगम दृश्य सामने आता है। लेकिन आज जब दृश्य भी प्रशनों से घिर गया है जब मैं सांझ की इस बेला में अपने पौत्र को छत पर ले जाता हूँ, तो वह उत्सुकता से उड़ते हुए पक्षियों को देखता है और मासूमियत से पूछ बैठता है: दादा, ये कौन से पक्षी हैं? ये सब कहाँ जा रहे हैं?

उसके इन सरल सवालों का जवाब देने में आज हमें हिचकिचाहट होती है, क्योंकि हम जानते हैं कि उनके बसेरे अब सुरक्षित नहीं हैं। परिंदों की परवाज अब धीमी पड़ रही है। उनकी खामोशी में एक गहरी चेतवनी छिपी है। यदि हमने समय रहते इसे नहीं समझा, तो आने वाली पीढ़ियों को केवल कितानों और निचों में ही देख पाएंगी। संकट के बादल और हमारा सामूहिक धर्म

पक्षियों के संरक्षण के लिए कानून

राशिफल गुरुवार 16 अप्रैल, 2026

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, चतुर्दशी तिथि, गुरुवार, विक्रम संवत् 2083, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र दिन 1:59 तक, ऐन्द्रयन योग दिन 10:57 तक, विष्टि करण प्रातः 9:22 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेघ, चन्द्रमा-मीन, मंगल-मीन, बुध-मीन, गुरु-मिथुन, शुक्र-मेघ, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 1:59 से आरम्भ होगा। भद्रा प्रातः 9:22 तक है। आज पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:41 तक, चर 10:52 से 12:27 तक, लाभ-अमृत 12:27 से 3:37 तक, शुभ 5:12 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:06, सूर्यास्त 6:47

मेष	सिंह	धनु
घर-परिवार के कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक बृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।	अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। परिवाहिक परेशानियाँ अभी यथावत बनी रहेंगी। घर-गृहस्थी के कार्यों में विलम्ब हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में सावधानी ठीक नहीं रहेगी।	घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानियाँ हो सकती हैं। परिवार में वाद-विवಾದ हो सकते हैं।
वृष	कन्या	मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी।	परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।	परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।
मिथुन	तुला	कुंभ
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में महत्वपूर्ण सफलता मिल सकती है। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।	व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा।	व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। संभावित खोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।
कर्क	वृश्चिक	मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा।	व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरी/पेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।	व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगे। व्यावसायिक सुविधाएँ बढ़ेंगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

अरावली में तेंदुआ-मानव संघर्ष की नई तस्वीर: नुकसान भारी, फिर भी कायम है सहअस्तित्व

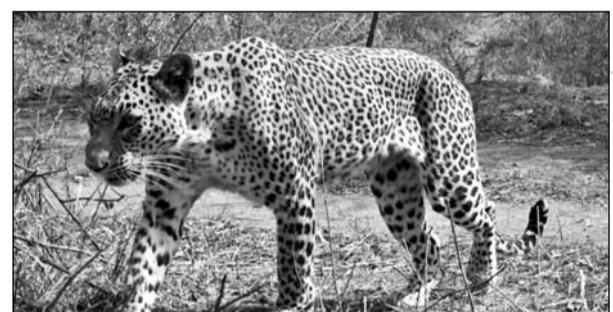


डॉ. कमलेश शर्मा

जयसमर्द अभयारण्य क्षेत्र में 13 साल में 572 घटनाएँ, 98 प्रतिशत मामलों में पशुधन शिकार; मुआवजा प्रणाली कमजोर, लेकिन लोगों की सहनशीलता मजबूत राजस्थान के दक्षिणी अरावली क्षेत्र में ईसान और तेंदुए के बीच संबंध टकराव और सह अस्तित्व का अनेखा मिश्रण बनकर सामने आया है। जब क्षेत्र एक-दूसरे से सटे हुए हैं। मुआवजा: प्रक्रिया कठिन, राशि कम कोली ने बताया कि अध्ययन में मुआवजा प्रणाली की बड़ी खामियाँ भी उजागर हुईं। कुल घटनाओं में से केवल 31 प्रतिशत मामलों में ही मुआवजे के लिए दावा किया गया। इसी प्रकार स्वीकृत राशि वास्तविक नुकसान से काफी कम रही वहीं जितलें कागजी प्रक्रिया और कम जागरूकता प्रमुख

बाधाएँ रही। इससे ग्रामीणों में आर्थिक दबाव तो बढ़ा, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से इससे तेंदुए के प्रति हिंसक प्रतिक्रिया नहीं दिखी। सह अस्तित्व की मिसाल: बदले की भावना नहीं शोध की सबसे सकारात्मक बात यह रही कि तेंदुए के खिलाफ बदले में हत्या का कोई मामला सामने नहीं आया। स्थानीय लोगों का दृष्टिकोण लगभग तटस्थ (−0.2 स्कोर) पाया गया, जो बताता है कि सांस्कृतिक और धार्मिक मान्यताएँ वन्यजीव संरक्षण में अहम भूमिका निभा रही हैं। शिखा से बदलता नजरिया अध्ययन में यह भी सामने आया कि अधिक शिक्षित लोग तेंदुए के प्रति अधिक सकारात्मक सोच रखते हैं जबकि कम आय और कम शिक्षा वाले परिवारों में डर और नकारात्मकता अधिक है। अर्थात् शिक्षा, सहअस्तित्व की सबसे मजबूत कुंजी बनकर उभर रही है। संघर्ष के प्रमुख कारण विशेषज्ञों के अनुसार संघर्ष के पीछे कई कारण एक साथ काम कर रहे हैं। इसके तहत जंगल और गाँवों के बीच बढ़ती नजदीकी, खुले और असुरक्षित पशु बाड़े, भूमि उपयोग में बदलाव, अभयारण्य के आसपास मानव

बाधाएँ रही। इससे ग्रामीणों में आर्थिक दबाव तो बढ़ा, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से इससे तेंदुए के प्रति हिंसक प्रतिक्रिया नहीं दिखी। सह अस्तित्व की मिसाल: बदले की भावना नहीं शोध की सबसे सकारात्मक बात यह रही कि तेंदुए के खिलाफ बदले में हत्या का कोई मामला सामने नहीं आया। स्थानीय लोगों का दृष्टिकोण लगभग तटस्थ (−0.2 स्कोर) पाया गया, जो बताता है कि सांस्कृतिक और धार्मिक मान्यताएँ वन्यजीव संरक्षण में अहम भूमिका निभा रही हैं। शिखा से बदलता नजरिया अध्ययन में यह भी सामने आया कि अधिक शिक्षित लोग तेंदुए के प्रति अधिक सकारात्मक सोच रखते हैं जबकि कम आय और कम शिक्षा वाले परिवारों में डर और नकारात्मकता अधिक है। अर्थात् शिक्षा, सहअस्तित्व की सबसे मजबूत कुंजी बनकर उभर रही है। संघर्ष के प्रमुख कारण विशेषज्ञों के अनुसार संघर्ष के पीछे कई कारण एक साथ काम कर रहे हैं। इसके तहत जंगल और गाँवों के बीच बढ़ती नजदीकी, खुले और असुरक्षित पशु बाड़े, भूमि उपयोग में बदलाव, अभयारण्य के आसपास मानव



गतिविधियाँ आदि तेंदुआ और मानव संघर्ष के प्रमुख कारण पाए गए हैं। क्या है समाधान? शोधकर्ताओं ने इस संघर्ष को कम करने के लिए एकाधिक सुझाव दिए हैं। इसके तहत पशुओं के लिए जालीदार और मजबूत बाड़े बनाने के साथ-साथ चराई में बदलाव करते हुए जंगल के भीतर की बजाय गाँव के पास चराई को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इसी प्रकार मुआवजा प्रणाली में सुधार प्रकृत सुरक्षा प्रक्रिया और बाजार मूल्य के अनुरूप सुधार किया जाना चाहिए। उन्होंने इस संघर्ष को कम करने के लिए जागरूकता अभियान चलाकर ग्रामीणों को सुरक्षा और वन्य जीव व्यवहार की जानकारी देने की बात भी कही है। एक्सपर्ट व्यू :- एनटीसीए के सदस्य और सेवानिवृत्त मुख्य वन संरक्षक राहुल भटनगर बताते हैं कि अध्ययन स्पष्ट करता है कि तेंदुए को बचाने के लिए केवल जंगल संरक्षण पर्याप्त नहीं है। जरूरी है कि उन लोगों की आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, जो इन वन्यजीवों के साथ अपनी जमीन साझा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अरावली की पहलियों में यह सह अस्तित्व की कहानी न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश के लिए एक महत्वपूर्ण मॉडल बन सकती है—जहाँ संघर्ष के बीच भी संतुलन संभव है। -डॉ. कमलेश शर्मा, जयपुर

एक्सपर्ट व्यू :- एनटीसीए के सदस्य और सेवानिवृत्त मुख्य वन संरक्षक राहुल भटनगर बताते हैं कि अध्ययन स्पष्ट करता है कि तेंदुए को बचाने के लिए केवल जंगल संरक्षण पर्याप्त नहीं है। जरूरी है कि उन लोगों की आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, जो इन वन्यजीवों के साथ अपनी जमीन साझा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अरावली की पहलियों में यह सह अस्तित्व की कहानी न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश के लिए एक महत्वपूर्ण मॉडल बन सकती है—जहाँ संघर्ष के बीच भी संतुलन संभव है। -डॉ. कमलेश शर्मा, जयपुर

लेक्चरर को प्रमोशन के बजाय डिमोशन करके वापस वरिष्ठ शिक्षक बनाया?

राजस्थान हाईकोर्ट ने इस विवादित आदेश पर स्टे देते हुए इसकी सुनवाई 16 अप्रैल को रखी

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने लेक्चरर को प्रमोशन देने के बजाय डिमोशन किए जाने के विवादित आदेश के खिलाफ दायर रिट याचिका में राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय प्राधिकरण (रेट) के रजिस्ट्रार को अगली सुनवाई पर अदालत में उपस्थित रहने के आदेश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि याचिकाकर्ता लेक्चरर श्रवण लाल खोरवाल ने रेट ट्रिब्यूनल में अपील दायर की थी, जहां 8 अगस्त 2025 को सुनवाई के दौरान तत्कालीन चेयरपर्सन विकास सीतारामजी भाले व सदस्य चेतनराम देवड़ा ने उसे स्टे देते हुए अंतरिम राहत

■ हाईकोर्ट ने रेट के रजिस्ट्रार को भी अदालत में सुनवाई के दौरान उपस्थित रहने को कहा है, क्योंकि याचिकाकर्ता का आरोप है कि ट्रिब्यूनल ने पहले तो उसे अंतरिम राहत दी, परंतु बाद में आदेश बदल दिया गया

दी थी, परंतु बाद में इस आदेश को बदल दिया गया। जब यह मामला ट्रिब्यूनल में सूचीबद्ध ही नहीं थी, उसी दौरान इस प्रकरण में दूसरा आदेश याचिकाकर्ता के खिलाफ जारी कर दिया गया, जो कि गैरकानूनी है। इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता युवराज सामंत पैरवी के लिए पेश हुए थे। प्रकरण की सुनवाई

के दौरान न्यायाधीश रवि चिराणिया ने राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय प्राधिकरण (रेट) के रजिस्ट्रार को 6 मार्च 2026 को शपथपत्र देकर जवाब पेश करने के आदेश दिए थे। जिस पर 27 मार्च को रेट की ओर से शपथ पत्र के साथ जवाब पेश हुआ था। इस जवाब पर असंतुष्टि जाहिर करते हुए हाईकोर्ट ने 16 अप्रैल को होने वाली सुनवाई

पर रजिस्ट्रार को पेश होने के आदेश दिए थे। मामले के तथ्यों के अनुसार याचिकाकर्ता श्रवण लाल खोरवाल वरिष्ठ अध्यापक ग्रेड 2 के पद पर नियुक्त हुए थे। वर्ष 2015 में इनका तबादला करते हुए उदयपुर से अजमेर लगा दिया गया था। वर्ष 2016-27 को डीपीसी में पदोन्नति मिली और उन्हें लेक्चरर बना दिया गया। तत्पश्चात वर्ष 2025 की डीपीसी में उन्हें उप प्राचार्य के पद पर पदोन्नति दी जानी थी, परंतु उसे वापस वरिष्ठ शिक्षक ग्रेड-2 के पद पर ही लगा दिया। साथ ही वर्ष 2016 में लेक्चरर पद पर किया गया प्रमोशन भी रद्द कर दिया।

ऐसे में इस प्रकरण की सुनवाई करते हुए राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस रवि चिराणिया की एकलपीठ ने कहा कि, जब ट्रिब्यूनल ने याचिकाकर्ता के संबंध में 8 अगस्त 2025 को आदेश पारित किए, तब उसकी सुनवाई नहीं की गई। ऐसे में 17 जून 2025 को याचिकाकर्ता के डिमोशन आदेश पर हाईकोर्ट ने रोक लगाते हुए इस प्रकरण की सुनवाई 16 अप्रैल को तय की है। साथ ही इस सुनवाई पर राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय प्राधिकरण (रेट) के रजिस्ट्रार को अगली सुनवाई पर अदालत में उपस्थित रहने के आदेश दिए हैं।

रोडवेज कर्मचारी 16 अप्रैल को जयपुर में दंगे प्रदेशस्तरीय धरना

जयपुर। एटक-एआईटीयूसी से जुड़ी राजस्थान स्टेट रोडवेज एंजलाइज यूनिशन के आ न पर गुरुवार, 16 अप्रैल को प्रातः 11 बजे जयपुर स्थित रोडवेज मुख्यालय पर प्रदेश स्तरीय विशाल धरना आयोजित किया जाएगा। इस महाधरने में सेवारत और सेवानिवृत्त दोनों ही वर्गों के कर्मचारी भाग लेकर अपनी ग्यारह सूत्रीय मांगों को लेकर सरकार के सामने आवाज बुलंद करेंगे।

प्रदेश अध्यक्ष एम.एल. यादव के अनुसार यह आंदोलन लंबे समय से लंबित समस्याओं के समाधान के लिए किया जा रहा है। उनका कहना है कि उनकी मांगों की लगातार अनदेखी की जा रही है। जिससे रोडवेज संचालन और कर्मचारियों की कार्य स्थितियां प्रभावित हो रही हैं। धरने में शामिल होने से पहले कर्मचारी जयपुर आगार से रैली के रूप में रवाना होकर रोडवेज मुख्यालय पहुंचेंगे। यूनिशन ने सभी कर्मचारियों से अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर आंदोलन को सफल बनाने की अपील की है।

गर्भवती महिला से छेड़छाड़ करने वाले हिस्ट्रीशीटर की तलाश

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर। शहर के मालवीय नगर थाना इलाके में गर्भवती महिला से छेड़छाड़ के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। वायरल वीडियो के आधार पर आरोपी की पहचान कर ली गई है, जो मध्य प्रदेश के ग्वालियर का शांतिर हिस्ट्रीशीटर निकला है।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी राहुल गुर्जर ग्वालियर के सरसपुरा गांव (बिजौली) का निवासी है। उसके खिलाफ लूट, डकैती और मारपीट के कई गंभीर मामले पहले से दर्ज हैं। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए गठित एसआईटी टीम फिलहाल ग्वालियर में डेरा डाले हुए है और लगातार दबिश दे रही है। गौरतलब है कि 25 मार्च को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें आरोपी बीच सड़क पर एक गर्भवती महिला के पास पीछे से पहुंचकर उससे छेड़छाड़ करता दिखाई दिया। महिला के

■ वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस ने आरोपी की पहचान कर ली है, वह मध्य प्रदेश के ग्वालियर का शांतिर हिस्ट्रीशीटर है।

विरोध करने पर आरोपी मौके से फरार हो गया था। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस हकत में आई और मामले की जांच शुरू की गई। पीड़िता ने भी घटना की सूचना पुलिस को दी थी। हालांकि, प्रारंभिक स्तर पर लापरवाही बरतने के आरोप में जवाहर सर्किल थाना के एएसआई महेश चंद्र और हेड कांस्टेबल अंगद राम मीणा को लंबित कर दिया गया है। आरोप है कि दोनों ने आरोपी को पकड़ने के बाद बिना कार्रवाई के छोड़ दिया था।

मुख्यमंत्री ने किया छात्राओं के साथ वर्चुअल संवाद

मुख्यमंत्री ने छात्राओं के अनुभव सुने, आत्मनिर्भर बनने का किया आह्वान

■ प्रधानमंत्री मोदी नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाए हैं, इससे संसद-विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा : भजनलाल शर्मा

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाए हैं। इससे संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियां हर क्षेत्र में अग्रणी हैं और नारी शक्ति वंदन अधिनियम उनके लिए संभावनाओं के नए द्वार खोलेगा। छात्राएं आत्मनिर्भर बनने के साथ ही समाज और प्रदेश के विकास में भी सक्रिय भूमिका निभा रही है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने दृढ़ आत्मविश्वास के जरिए पूरे

देश का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। उन्होंने केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और प्रदेश की वित्त मंत्री दिया कुमारी के कार्यों को महिला शक्ति का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। मुख्यमंत्री ने वीसी के माध्यम से जुड़ी मेडिकल, इंजीनियरिंग, डेटा साइंस सहित विभिन्न शिक्षण क्षेत्रों की छात्राओं से संवाद कर उनके कार्यक्षेत्र की जा रही कल्याणकारी योजनाओं के सुझावों को सुना। शर्मा ने पचपटवार के केमिकल इंजीनियर श्रेया के

चुनौतीपूर्ण कार्यक्षेत्र के चयन की सराहना करते हुए उनकी हौसला अफजाई की। ऑस्ट्रेलिया में डेटा साइंस की छात्रा तारुषी ने मुख्यमंत्री को स्वामी विवेकानंद स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सलेंस योजना के तहत मिली आर्थिक सहायता के लिए धन्यवाद दिया। मैगो गर्ल्स कॉलेज की छात्रा नय्या ने कहा कि इस अधिनियम ने महिलाओं को नीति निर्माण में सशक्त भागीदारी का मौका दिया है। कार्यक्रम में छात्राओं ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया। साथ ही राज्य सरकार द्वारा संचालित की जा रही कल्याणकारी योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्कूल के खेल मैदान की भूमि का आवंटन रद्द करने पर रोक

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने सीकर के बाजौर स्थित सरकारी स्कूल के खेल मैदान के लिए आवंटित की गई भूमि का आवंटन रद्द करने वाले स्थानीय कलेक्टर के गत 5 फरवरी के आदेश को क्रियावित्त पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में मुख्य सचिव, राजस्व विभाग, स्थानीय कलेक्टर, शिक्षा विभाग और स्कूल समिति को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस अनुरुप सिंघी की एकलपीठ ने यह आदेश अशोक कुमार व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता केतन धाभाई ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने साल 2023 में स्कूल के खेल मैदान के लिए 2 हेक्टेयर जमीन आवंटित की थी। वहीं स्कूल के प्रिंसिपल ने स्कूल विकास समिति के साथ बैठक का हवाला देते हुए कलेक्टर को पत्र लिखा कि यह जमीन स्कूल से चार सौ मीटर दूर स्थित है। जिसके कारण विद्यार्थियों को परेशानी उठानी पड़ती है। इस पत्र के आधार पर कलेक्टर ने गत पांच फरवरी को इस भूमि का आवंटन रद्द कर दिया, लेकिन बदले

■ सीकर के बाजौर स्थित सरकारी स्कूल का मामला

■ हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव, राजस्व विभाग, स्थानीय कलेक्टर, शिक्षा विभाग और स्कूल समिति को नोटिस जारी कर जवाब मांगा

में दूसरी जमीन आवंटित नहीं की। याचिका में कहा गया कि आवंटन रद्द करने के अल्प समय बाद ही इस जमीन को मैसर्स बाजोर डेजर्ट सफारी एंड रिसोर्ट्स को आवंटित कर दी। याचिका में कहा गया कि निजी कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए स्कूल के खेल मैदान का आवंटन रद्द किया गया है। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने आवंटन रद्द करने के आदेश पर अंतरिम रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

छह पुलिसकर्मियों को मिला कांस्टेबल ऑफ द मंथ अवॉर्ड



जयपुर। जयपुर जयपुर कमिश्नरट में मार्च 2026 माह के लिए उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले छह पुलिसकर्मियों को 'कांस्टेबल ऑफ द मंथ' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। पुलिस कमिश्नर सचिन मिश्र ने आयोजित समारोह में इन पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति देकर सम्मानित किया।

पुलिस कमिश्नर सचिन मिश्र ने बताया कि कांस्टेबल राहुल कुमार ने एक मामले में सीडीआर और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर वांछित आरोपियों को गिरफ्तार करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं कांस्टेबल सुनील कुमार (कार्यालय पुलिस आयुक्त पश्चिम) ने अंतरराज्यीय गैंग के दो इनामी आरोपियों को तकनीकी विश्लेषण के

जरिए पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी से गिरफ्तार कराने में अहम योगदान दिया। इसके अलावा कांस्टेबल कमलेश कुमार (जालपुरा थाना, जिला उत्तर) ने रात्रि गश्त के दौरान गुम हुए 50-60 हजार रुपए से भरे पर्स को खोजकर संबंधित व्यक्ति को लौटाकर ईमानदारी का परिचय दिया। कांस्टेबल अनिल कुमार ने लंबे समय से लंबित 10 स्थायी वारंट और 5 गिरफ्तारी वारंट का सफल निष्पादन किया। साथ ही कांस्टेबल संदीप कुमार ने यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में कड़ी मेहनत और निष्ठा से कार्य किया और कांस्टेबल राकेश कुमार शर्मा ने विभिन्न प्रमुख आयोजनों-जैसे सैलून के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की।

खरीफ-2025 में अल्पकालीन फसली ऋणों की भुगतान तिथि बढ़ाई

■ सरकार की इस राहत से 5.57 लाख किसानों को मिलेगा लाभ

जयपुर। राज्य सरकार ने किसानों को बड़ी राहत देते हुए खरीफ-2025 में वितरित अल्पकालीन ब्याजमुक्त फसली ऋणों की अदायगी तिथि आगे बढ़ाने की स्वीकृति दे दी है। राज्य सरकार के इस निर्णय से 5.57 लाख से अधिक किसान लाभान्वित होंगे। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम कुमार दक ने बताया कि इस सम्बन्ध में वित्त विभाग से स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। केन्द्रीय सहकारी बैंकों द्वारा पैक्स/लैम्स के माध्यम से खरीफ-2025 में ऋण प्राप्त करने वाले किसान अब 15 मई, 2026 अथवा अगले तीन दिनों के 12 माह, जो भी पहले हो, ऋण राशि चुका सकेंगे।

पूर्व में ऋण चुकाने की अवधि 31 मार्च, 2026 निर्धारित थी, जिसे आगे बढ़ाने की मांग की जा रही थी। जयपुर सरकार ने इस मांग को स्वीकार करते हुए किसानों को बड़ा तोहफा दिया है।

दक ने बताया कि तिथि आगे नहीं बढ़ाये जाने पर लगभग 5.57 लाख किसानों पर बकाया लगभग 2184 करोड़ रुपये का ऋण अवधिपार हो जाता। ऐसी स्थिति में इन किसानों को शून्य ब्याज दर पर फसली ऋण सुविधा का लाभ नहीं मिल पाता। साथ ही, ऋण अवधिपार होने की स्थिति में उन्हें 2 प्रतिशत पेनल्टी का भुगतान भी करना पड़ता। सहकारिता मंत्री ने किसानों से इस विस्तारित अवधि का लाभ प्राप्त करते हुए ऋणों का चुकाकर शून्य ब्याज दर योजना का लाभ उठाने की अपील की है।

डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई

जयपुर। भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर उत्तर पश्चिम संघ जयपुर मण्डल कार्यालय में धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ के मंडल अध्यक्ष सौरभ दौक्षित ने बाबा साहेब के विचारों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि बाबा साहेब एक विलक्षण प्रतिभा के धनी थे जिन्होंने भारतवर्ष के प्रत्येक जरूरतमंद ईंसान के जीवन में रोशनी देने का काम किया है।

सुर्खियां बटोरने के लिए गलत बयानबाजी कर रहे अशोक गहलोत : दिलावर

राज्य सरकार नियम-क्रानून के तहत शीघ्र चुनाव के पक्ष में है : शिक्षा मंत्री

जयपुर। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत बौखलाए हुए हैं और बचकानी बातें कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी हमेशा कानून एवं न्यायालयों का सम्मान करती है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी ओबीसी आयोग की रिपोर्ट को सिफारिशों की अनुपालना के पक्षत ही चुनाव करवाये जाने के लिए निर्देशित किया है। सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। आयोग की रिपोर्ट प्राप्त होने पर सरकार उसका विस्तृत अध्ययन करेगी एवं विधिवेत्ताओं से राय लेकर ओबीसी वर्ग को आरक्षण का लाभ सुनिश्चित करते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया से शीघ्र चुनाव संपन्न करवाएगा।

दिलावर ने कहा कि कांग्रेस ने तो 13 साल तक चुनाव कराए ही नहीं, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को सत्ता में बनाये रखने के लिए 1975 में आपातकाल लगाने वाली कांग्रेस कांस्टीट्यूशन ब्रेकडाउन जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। वे हम पर न्यायालय की अवहेलना करने और कांस्टीट्यूशन ब्रेकडाउन के आरोप लगा कर सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली कहावत को चरितार्थ कर रहे हैं।

■ दिलावर ने कहा "100 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली" वाली कहावत चरितार्थ कर रहे गहलोत

■ होटलों में चली पिछली सरकार वाला दौर था कांस्टीट्यूशन ब्रेकडाउन : दिलावर

मदन दिलावर ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने घर पर धरना प्रदर्शन कर राज्यपाल के सम्मान को तार-तार करने का काम किया था। अपने ही सहयोगी को नाकारा निकम्मा मक्कार जैसे अपमानजनक शब्दों से संबोधित किया था। वे अपने अपराधों का दोष एक लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार पर थोपकर एक घोर अपराध कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी से ज्यादा लोकतंत्र की हत्या करने वाली पार्टी कोई नहीं है। अशोक गहलोत जी के जैसा राज्यपाल का असम्मान करने वाला कोई नहीं है। और अनगलं टिप्पणियां कर लोगों को भटकाने की कोशिश कर रहे हैं।

स्कैप मैटेरियल बेचकर जयपुर मंडल ने 78 करोड़ रु. कमाए

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर रेल मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 में स्कैप बिक्री के माध्यम से राजस्व सृजन करते हुए 78.40 करोड़ का राजस्व अर्जित कर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। यह जयपुर मंडल द्वारा किसी एक वित्त वर्ष में अब तक की सर्वाधिक बिक्री है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जयपुर मंडल को स्कैप बिक्री के माध्यम से 65 करोड़ के राजस्व सृजन का लक्ष्य दिया गया था। मंडल ने न केवल इस लक्ष्य को प्राप्त किया, बल्कि इसे 20.62 प्रतिशत से अधिक कारगर करते हुए उल्लेखनीय सफलता दर्ज की। यह उपलब्धि पिछले वित्त वर्ष में बेचे गए 26.54 करोड़ के स्कैप मैटेरियल की तुलना में लगभग 3 गुना है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक जयपुर पूजा मिश्र ने बताया कि जयपुर मंडल द्वारा वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान कुल 22,261 मीट्रिक टन स्कैप का सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया। जिससे रेलवे को 78.40 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ। जयपुर रेल मंडल की यह उपलब्धि न केवल आर्थिक मजबूती का संकेत है, बल्कि सुरक्षित, स्वच्छ एवं आधुनिक रेलवे प्रणाली की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्कैप मैटेरियल को समयबद्ध निष्पादन केवल राजस्व बढ़ाने का माध्यम ही नहीं, बल्कि रेलवे सुरक्षा सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण पहलू भी है। मंडल रेल प्रबंधक रवि जैन ने इस उपलब्धि पर मंडल के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता 'मिशन जैरो' की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सहकार मसाला मेले की तैयारियों पर चर्चा

जयपुर (कांस)। सहकारिता विभाग एवं राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ (कॉन्फेड) द्वारा जवाहर कला केन्द्र में 17 से 26 अप्रैल तक 'राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला-2026' का आयोजन होगा। सहकारिता विभाग के शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां डॉ. समित शर्मा ने बुधवार को शासन सचिवालय स्थित अपने कक्ष में मेले की तैयारियों की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-



सहकारिता विभाग के शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने मसाला मेले की तैयारियों पर चर्चा की।

■ जवाहर कला केन्द्र में 17 से 26 अप्रैल तक होगा आयोजन

निर्देश प्रदान किए। शासन सचिव ने कहा कि राष्ट्रीय सहकार मसाला मेले का आयोजन सहकारिता विभाग के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह मेला अब जयपुर की विशिष्ट पहचान बन चुका है, जिसका जयपुरवासियों को बेसब्री से इंतजार रहता है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेले को आनन्दुक्त ग्राहकों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हो, इसके लिए सभी आवश्यक

व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जाएं। मेले में फुटफॉल बढ़ाने के लिए इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। साथ ही, मेले में ऑर्गेनिक उत्पादों व श्रीअन्न उत्पादों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाए। उन्होंने मेले में स्टॉल्स की संख्या में वृद्धि करने के भी निर्देश दिए।

डॉ. शर्मा ने निर्देश दिए कि मेले में नवाचारों का भी व्यापक रूप से समावेश किया जाए, जिससे लोगों का मेले के प्रति आकर्षण बढ़े। उन्होंने मेले में अपने उत्पाद प्रदर्शन एवं बिक्री के लिए देश-प्रदेश से आने वाले प्रतिभागियों के लिए आवास व परिवहन सहित अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश

सफाई सेवा मैराथन शुरू करेगा निगम

जयपुर। नगर निगम जयपुर की स्वच्छता रैकिंग में सुधार लाने के साथ सफाई में बेहतर कार्य करने के लिए योजना बना रहा है। इसी दिशा में निगम शनिवार से विशेष सफाई अभियान चलाएगा। सफाई सेवा मैराथन के आगाज के साथ हर अधिकारी जयपुर को स्वच्छ-सुंदर बनाने के लिए फील्ड में काम करेगा। नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा ने बुधवार को अधिकारियों की बैठक लेकर सफाई के प्रति सजगता बरतने के निर्देश दिए। आयुक्त ने निगम अधिकारियों को सफाई कार्यों को लेकर मोटिवेट किया और बैठक में अधिकारियों को सफाई में जयपुर को अक्वल बनाने के लिए बेहतर कार्य योजना बनाने को कहा। निगम आयुक्त ने सफाई सेवा मैराथन को लेकर अधिकारियों से चर्चा की। निगम आयुक्त ने बैठक में कहा कि हर अधिकारी-कर्मचारी का एक ही लक्ष्य स्वच्छ जयपुर सुंदर जयपुर होना चाहिए।

सफाई कार्य को लेकर अब सीएसआई की भी रैकिंग तय होगी। प्रथम, दूसरे और तीसरे नम्बर पर रहने वाले सीएसआई को स्वच्छता हीरो के सम्मान से नवाजा जाएगा।

मानसरोवर-श्याम नगर में हुक्का बार पर छापा

पुलिस ने 3 संचालकों को गिरफ्तार कर 17 लोगों के चालान काटे

जयपुर। गुलाबी नगरी में अवैध रूप से संचालित हुक्का बार के खिलाफ जयपुर पुलिस ने बुधवार को सख्त कार्रवाई करते हुए मानसरोवर और श्याम नगर थाना क्षेत्रों में तीन स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान 3 संचालकों को गिरफ्तार किया गया, जबकि हुक्का पीते पाए गए 17 लोगों के खिलाफ कोटपा एक्ट के तहत चालान किए गए।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) संजीव नैन ने बताया कि पुलिस कमिश्नर सचिन मिश्र के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गठित पुलिस टीम ने मानसरोवर स्थित 'इक्का क्लब', 'हॉट हाउस ट्रीट कैफे' और श्याम नगर स्थित 'एल्टरो कैफे 2.0' पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान कुल 14 हुक्के, बड़ी मात्रा में तंबाकू पत्तेवर सहित अन्य सामग्री जब्त की गई।

संजीव नैन ने बताया कि मानसरोवर में 'कांसेप्ट आरएएए' कोचिंग संस्थान की चौथी मंजिल पर संचालित 'हॉट हाउस ट्रीट कैफे लाउंज' में खाने-पीने की आड में युवाओं को



अवैध रूप से हुक्का परोसा जा रहा था। पुलिस ने मौके से संचालक प्रकाश वासवानी को गिरफ्तार कर 10 हुक्के और तंबाकू पत्तेवर जब्त किया। इसके अलावा न्यू आतिश मार्केट स्थित 'इक्का क्लब' पर कार्रवाई करते हुए मैनेजर

हनुमान (निवासी खैरथल) को गिरफ्तार किया गया और वहां से भी हुक्का सामग्री बरामद की गई।

वहीं श्याम नगर थाना पुलिस ने 'एल्टरो कैफे 2.0' पर छापा मारकर संचालक यश कुमार को गिरफ्तार किया। यहां से 4 हुक्के, चिलम, पाइप और नशीले तंबाकू पत्तेवर के डिब्बे बरामद किए गए। मौके पर हुक्का पीते मिले 7 व्यक्तियों के खिलाफ कोटपा एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

पुलिस ने इस पूरे अभियान के दौरान 3 अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ राजस्थान धूम्रपान प्रतिषेध अधिनियम 2000 और कोटपा अधिनियम 2019 (संशोधित) की विभिन्न धाराओं में कार्रवाई शुरू की है।

पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि युवाओं के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले अवैध हुक्का बार संचालकों को खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दूध कारोबारी वृद्ध पर जानलेवा हमले का खुलासा

उदयपुर, (कास)। जिले के गोगुंदा थाना क्षेत्र के वणी में 2 अप्रैल रात 8.30 बजे हुए जानलेवा हमले के मामले में गोगुंदा पुलिस ने बड़ा खुलासा करते हुए पूरे घटनाक्रम का पदांकाश कर दिया है। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर गिवा डीवाईएसपी गोपाल चंदेल के नेतृत्व में थानाधिकारी श्याम सिंह चारण की टीम ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि तीन अन्य आरोपी अभी भी फरार हैं। थानाधिकारी श्याम सिंह

■ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि तीन अन्य आरोपी अभी भी फरार हैं।

चारण ने बताया कि सेमटाल निवासी शंकरलाल पालीवाल पर हुआ हमला आपसी रंजिश का परिणाम है। दूध के व्यवसाय में प्रतिस्पर्धा के चलते वणी निवासी लक्ष्मण सिंह पिता नाहर सिंह निवासी वणी ने अपने प्रतिद्वंद्वी को रास्ते से हटाने के लिए एक लाख रूपए की सुपारी दी थी। यह सुपारी मनोहर सिंह पिता गणेश सिंह निवासी वणी (हाल निवासी मुंबई) को दी

गई, जिसने करीब एक माह पूर्व जेल से छूटे दो शालिर बदमाशों को वारदात के लिए तैयार किया। 2 अप्रैल को शाम करीब 8.30 बजे सेमटाल निवासी शंकरलाल पालीवाल (65) वणी गांव से दूध ले कर बाइक से गोगुंदा लौट रहे थे। वणी कट स्थित आशापुरा होटल के पास सुनसान रास्ते पर तीन बाइक सवार युवक आए। तीनों नकाबपोश थे। जिन्होंने

शंकरलाल पर चाकू से ताबड़तोड़ पांच बार किए। एक चाकू उनके पीछे में धंसा रह गया। आरोपी उन्हें मृत समझकर फरार हो गए थे। बाद में राहगीरों की मदद से शंकरलाल को हॉस्पिटल पहुंचाया गया। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, जिसमें एक बाइक पर सवार तीन संदिग्ध करीब 3 घंटे तक क्षेत्र में रेंको करते नजर आए। इसके आधार पर पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और हुलिये के आधार पर

मुख्य आरोपी लक्ष्मण सिंह निवासी वणी तथा हमलावर टीकम उर्फ टिकसा पुत्र मोहनलाल गमेती निवासी रामा को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गई है। मामले में मनोहर सिंह, मनीष पुत्र कालू गमेती निवासी रामा थाना सुखेर तथा विरेंद्र सिंह उर्फ विजू निवासी खंडावली उपाण थाना खमनोर फिहालहा फरार हैं। पुलिस उनकी सरगामी से तलाश कर रही है और जल्द गिरफ्तारी की संभावना जताई जा रही है।

पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की कर मिनी सचिवालय में घुसे लोग

अलवर। अलवर में अग्रसेन पुलिस के पास गोवंश के अवशेष मिलने के मामले में तूल पकड़ लिया है। घटना के विरोध में बुधवार को विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और सर्व हिंदू समाज की ओर से मौन जुलूस निकाला गया। प्रदर्शनकारी प्रताप ऑडिटीरियम

■ विहिप का कहना है कि वह प्रशासन की जांच और कार्रवाई से संतुष्ट नहीं है



अलवर में अग्रसेन पुलिस के पास गोवंश के अवशेष मिलने के मामले में तूल पकड़ा।

से सचिवालय गेट पर पहुंचे। उसके बाद वहां पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की कर आगे निकल गए। पुलिसकर्मियों देखते रह गए। इस दौरान पुलिस ने बार-बार भीड़ को रोका लेकिन तीन थानों की पुलिस और जाने को धक्का देकर लोग कलेक्ट्रेट के गेट पर बैठ गए।

मौके पर कोतवाली, अरावली विहार सहित तीन थानों की पुलिस थी। लेकिन प्रदर्शनकारियों को मिनी सचिवालय के मुख्य गेट पर नहीं रोक सकी। कुछ देर बाद एसपी सुधीर चौधरी भी मिनी सचिवालय पहुंच गए। विहिप के प्रांत सह-प्रमुख प्रेम राजावत ने मिनी सचिवालय में कहा कि पुलिस प्रशासन तकरीब से मंथली लेता है। इसलिए उनको बचाने का प्रयास हो रहा। लेकिन हम आगे अलवर बंद कराएंगे। पीछे

हटने वाले नहीं है। इसके बाद एडीएम योगेश डागुर को ज्ञापन दिया गया। विश्व हिंदू परिषद के लोगों ने प्रशासन को मुख्य गेट पर बुलाने का आग्रह किया। लेकिन तहसीलदार के आने के बाद विहिप के कार्यकर्ता भाड़क गए। उन्होंने तहसीलदार को वापस भेज दिया। उसके बाद धक्का मुक्की कर अंदर आ गए। विहिप का कहना है कि वह प्रशासन की जांच और कार्रवाई से संतुष्ट नहीं है, जबकि पुलिस इस मामले में दो बार खुलासा कर चुकी है। मंगलवार देर रात जारी प्रेस नोट में एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि घटनास्थल के आसपास

के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। जांच में सामने आया कि अवशेष वहां पहले से मौजूद नहीं थे, बल्कि कुत्तों द्वारा खींचकर लाए गए थे। हालांकि वे कहां से लाए गए, इसकी जांच अभी जारी है। इसके अलावा एफएसएल और मेडिकल रिपोर्ट में भी स्पष्ट हुआ है कि गोवंश के अवशेष किसी धारादार हथियार या नुकली वस्तु से नहीं काटे गए हैं। इससे यह संभावित मिला कि मांस के टुकड़े कुत्तों द्वारा ही लाए गए थे।

वहीं विहिप के प्रांत सह-प्रमुख प्रेम सिंह राजावत ने कहा कि संगठन पुलिस की जांच से संतुष्ट नहीं है।

चलती कार बनी आग का गोला

जोधपुर, (कास)। शहर के बनाड़ थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर जाजीवाल कला के पास चलती कार में अचानक आग लग गई। कार के बोनट से धुआं निकलता देख ड्राइवर और उनके रिश्तेदार ने सूझबूझ दिखाई। गाड़ी रोककर तुरंत बाहर निकल गए। कुछ ही मिनटों में कार पूरी तरह आग की लपटों में धिर गई। बनाड़ थानाधिकारी लेखराज सिंहाग के अनुसार खेड़ी निवासी राजू जाखड़ अपनी महिंद्रा डीजल कार से भोपालगढ़ हाईवे पर जा रहे थे। रेलवे फाटक से करीब आधा किलोमीटर दूर जाजीवाल कला के पास अचानक कार के बोनट से धुआं उठने लगा। इस पर चालक ने तुरंत कार को स्टॉप किनारे खड़ा किया और अपने साथी के साथ नीचे उतर गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार उनके उतरते ही कार धूँ-धूँ कर जलने लगी। पुलिस को दोपहर करीब डेढ़ बजे कार में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही बनाड़ थाने की चेतक टीम मौके पर पहुंची। इसके कुछ देर बाद फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां भी

■ कार का अगला हिस्सा और भीतरी केबिन पूरी तरह जलकर खाक

■ पुलिस को सूचना मिलते ही बनाड़ थाने की चेतक टीम मौके पर पहुंची। इसके कुछ देर बाद फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां ले आग पर काबू पाया

घटनास्थल पर पहुंची और आग पर काबू पाया। हालांकि, आग इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा और भीतरी केबिन पूरी तरह जलकर खाक हो गया। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक पड़ताल में आग का कारण शॉर्ट सर्किट होना सामने आया है। कार महिंद्रा कंपनी की डीजल वेरिएंट थी।

अवैध हथियार बनाने वाला 70 साल का आरोपी पकड़ा

राशन बांटने में 7 लाख रुपये का घपले का आरोप

जोधपुर, (कास)। राशन प्रणाली में आमजन को उनके हिस्से का गेहूं समय पर नहीं मिल पा रहा है। राशन की दुकानें चलाने वाले कुछ दुकानदार घोटालें कर रहे हैं। कुछ दिनों पहले लूणी तहसील के कुछ दुकानदारों पर गेहूं गबन का आरोप लगा था। अब उत्तर नगर निगम में बाई नंबर 60 के एक राशन विक्रेता की कारगुजारी पोष मशीन में पता लगी है। पोष मशीन से सात लाख का घोटाला उजागर हुआ है। इस बारे में डीएसओ के प्रवर्तन निरीक्षक राजकरण बारहट की तरफ से महाधर्मिण थाने में रिपोर्ट दी गई है। गोंधीपुर स्थित एक राशन की दुकान के संचालक के खिलाफ गेहूं वितरण में धांधली करने पर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत महाधर्मिण थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। घटना को लेकर जिला रसद कार्यालय

■ प्रवर्तन निरीक्षक ने थाने में रिपोर्ट दी

जोधपुर के प्रवर्तन निरीक्षक राजकरण बारहट ने जिला रसद अधिकारी के अभियोजन आदेश पर गोंधीपुरा बाई 60 उत्तर स्थित उपभोक्ता सहकारी भंडार के संचालक के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

रिपोर्ट के अनुसार 2022 में गोंधीपुरा क्षेत्र के राशन कार्डधारकों को चार महीने से गेहूं नहीं मिलने की शिकायत सामने आई थी। इस पर तत्कालीन प्रवर्तन अधिकारी नीलकमल माथुर ने मामले की जांच की। इस जांच रिपोर्ट में गेहूं बांटने में गंभीर लापरवाही और अनियमितताएं उजागर हुई थीं। लाइसेंस सर्पेक्ष करने के बाद हुई रद्द

की कार्रवाई की गई थी। प्रवर्तन अधिकारी की रिपोर्ट में उपभोक्ता सहकारी भंडार (पोस कोड 20019) के खिलाफ राजस्थान खाद्यान्न एवं अन्य आवश्यक पदार्थ (वितरण का नियमन) के नियमों का उल्लंघन पाया गया। इस पर जिला रसद अधिकारी कार्यालय ने विभागीय प्रकरण दर्ज कर 29 मार्च 2022 को कारण बताओ नोटिस जारी किया। इसी दिन एक आदेश जारी करते हुए उचित मूल्य दुकानदार का लाइसेंस तुरंत प्रभाव से रद्द कर दिया गया था। 6.95 लाख की वसूली नहीं भरने पर कानूनी शिकंजा विभागीय जांच के बाद 12 जून 2025 को मामले में अंतिम निर्णय लिया गया, जिसमें उस दुकान का लाइसेंस स्थायी रूप से रद्द कर दिया गया। विभागीय आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया।

अलवर। मालाखेड़ा थाना पुलिस ने अवैध हथियार बनाने और रिपेयरिंग करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 2 टोपीदार बंदूक, 1 देशी कट्टा 315 बोर, 14 जिंदा कारतूस और 2 खाली कारतूस सहित हथियार बनाने का भारी मात्रा में सामान बरामद किया है।

पुलिस एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि जिले में अवैध हथियारों के इस्तेमाल को रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ. प्रियंका रघुवंशी के सुपरविजन में और मालाखेड़ा थाना

अधिकारी हरदयाल सिंह के नेतृत्व में टीम ने यह कार्रवाई की। 14 अप्रैल 2026 को पुलिस को सूचना मिली कि महाराजपुरा निवासी रूस्तम पुत्र टुण्डल मेव अवैध रूप से हथियार बनाने और उनकी मरम्मत करने का काम करता है। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आरोपी के घर की तलाशी ली।

तलाशी के दौरान पुलिस को 2 टोपीदार बंदूक, 1 देशी कट्टा 315 बोर, 14 जिंदा कारतूस, 2 खाली कारतूस के साथ-साथ हथियार बनाने के उपकरण भी मिले। इनमें बंदूक की नाल, स्प्रिंग, ट्रिगर, छर्रे, ड्रिल मशीन, ग्राइंडर, हथौड़ी, आरी, छेनी सहित भट्टी और अन्य उपकरण शामिल हैं।

कारागार में मोबाइल व दो सिम मिली

जोधपुर, (कास)। जोधपुर सेंट्रल जेल में एक बार फिर मोबाइल मिला है। वार्ड संख्या 11 में बाथरूम के पीछे कचरे के ढेर में एक मोबाइल और दो सिमकार्ड मिले हैं। जेल प्रशासन की तरफ से अज्ञात बंदी के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है। रातानाडा थानाधिकारी दिनेश लखावत ने बताया कि कैदीय कारागार उपाधीक्षक की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि मंगलवार को जेल में मंगलवार को सर्च किया जा रहा था। तब वार्ड नंबर 11 स्थित एक शौचालय के पीछे कचरे के ढेर में मोबाइल और दो सिम कार्ड मिले। संभवतः किसी बंदी या कैदी ने उसे डाला होगा।

आँटों में सवार वृद्धा के जेवर चोरी

उदयपुर,। आँटों में सवार वृद्धा के हाथ से चोर सोने की चूड़ी निकाल ले गया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार न्यू विद्यानगर हिरणमगरी सेक्टर 4 निवासी कपील पुत्र सुरेश चन्द्र सनाढ्य च न सूरजपोल पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज कराया। जिसमें उसने बताया कि मेरी मां शांतिदेवी (75) 13 अप्रैल को आँटों में बैठ कर सेक्टर 4 से आँटों में बैठ कर बाजर जाने के लिए निकली तथा टाउन हॉल के समीप उतरी।

इस दौरान अज्ञात चोर मेरी मां के दाहिने हाथ से एक सोने की चूड़ी निकाल चुरा ले गया। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

तेरह साल बाद अहमदाबाद से पकड़ा दुष्कर्म का आरोपी

उदयपुर, (का.स.)। उदयपुर की फलासिया थाना पुलिस ने नाबालिग से रेप के मामले में 13 साल से फरार चल रहे आरोपी को गुजरात के अहमदाबाद से गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने भेष बदलकर तीन दिन तक गुजरात के नवापुरा, मेहसाणा, जंझा, सिद्धपुर में जाकर आरोपी का पता लगाया। पुलिस टीम कभी बिजली मीटर रीडर बनकर, कभी गैस और दूध सप्लायर तो कभी पटवारी बनकर गांव-गांव पहुंची थी। इसके बाद अहमदाबाद से गिरफ्तार किया गया।

■ नाबालिग को दलाल से खरीदा था, मीटर रीडर तो कभी दूध, गैस सप्लायर बनकर आरोपी को तलाशा पुलिस ने

थानाधिकारी सीताराम ने बताया कि साल 2013 से पैंक्सो एक्ट मामले में फरार वारंट रमेश भाई उर्फ झालावाड़ी रेबाड़ी पुत्र महादेव भाई निवासी उनावा, मेहसाणा को अहमदाबाद से गिरफ्तार किया है। नाबालिग उदयपुर की रहने वाली

है जबकि आरोपी गुजरात के मेहसाना का है। दलाल नाबालिग को काम दिलाने के बहाने गुजरात लेकर गया था और उसे आरोपी रमेश को बेच दिया था।

इसके बाद जैसे-तैसे नाबालिग उसके चंगुल से छूटकर अपने गांव आ गई थी और परिवार को आपबीती बताई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

एसपी अमृता दुहन के निर्देशन में आरोपी को पकड़ने वाली टीम में एएसआई कालूनाथ, हेड कांस्टेबल मुकेश कुमार, कांस्टेबल बंशीलाल और विक्रम की मुख्य भूमिका रही।

साइबर अपराध से बचाव की जानकारी दी

नसीराबाद। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के एक्शन प्लान के तहत तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अजमेर के निर्देशन से सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अजमेर के आदेशानुसार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लोहरवाड़ा में बुधवार को एक विशेष विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को यह संदेश देना रहा कि अब हर विद्यार्थी को पहुंच-व्यापक तक सोधे और आसानी से संभव है, और इच्छत रहने पर वे बिना डर, बिना शुल्क और बिना किसी परेशानी के कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

पिंजरे में कैद हुआ खूंखार पैंथर, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

अजमेर, (निसं)। भिनाय क्षेत्र में पिछले दो दिनों से दहशत का कारण बने पैंथर को वन विभाग ने मंगलवार देर रात सफल ऑपरेशन के तहत पिंजरे में कैद कर लिया। लगातार शिकार की घटनाओं से परेशान ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है।

जानकारी के अनुसार, भिनाय कब्जे के रेण गेट के बाहर उदयगढ़ खेड़ा रोड स्थित लाल सिंह गोहिल के बाड़े में घुसकर पैंथर ने तीन बकरियों को मार डाला था। इसके बाद पूरे इलाके में भय का माहौल बन गया था। सूचना मिलते ही वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए साईमाला पहाड़ के नीचे एनिकट

■ उदयगढ़ खेड़ा रोड स्थित लाल सिंह गोहिल के बाड़े में घुसकर पैंथर ने तीन बकरियों को मार डाला था।

के पास करीब 150 किलो वजनी ऑटोमेटिक लोहे का पिंशरा लगाया। पैंथर को पकड़ने के लिए पिंजरे में एक जीवित बकरे के बच्चे को रखा गया। देर रात शिकार की तलाश में निकला पैंथर जैसे ही पिंजरे में घुसा, ऑटोमेटिक गेट बंद हो गया और वह कैद हो गया।

सुबह यह खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। इस ऑपरेशन का नेतृत्व वनपाल निर्मल शर्मा ने किया। टीम में वन रक्षक विमला चौधरी और सुरेश राव शामिल रहे। ग्रामीणों ने टीम की सक्रियता और तत्परता की सराहना की।

वन विभाग के अनुसार पकड़ा गया पैंथर करीब 3 वर्ष का है और उसकी लंबाई लगभग 9 फीट है। उसे पिंजरे सहित पिकअप वाहन से नसीराबाद स्थित क्षेत्रीय वन अधिकारी कार्यालय ले जाया गया, जहां मेडिकल जांच के बाद सुरक्षित जंगल में छोड़े जाने की प्रक्रिया शुरू की गई।

अपना घर आश्रम में 12 साल बाद मां-बेटी का भावुक मिलन

भरतपुर (निसं)। अपना घर आश्रम, भरतपुर में बुधवार को एक बेहद भावुक और हृदयस्पर्शी दृश्य देखने को मिला, जब एक मां का अपनी बेटी और दामाद से करीब 12 वर्षों बाद मिलन हुआ। यह वह मां थी, जिन्हें परिवार ने समय के साथ लगभग खो दिया था और मान लिया था कि अब वे इस दुनिया में नहीं रहें। यह कहानी है पुनीता की, जो लगभग 12 वर्ष पूर्व मानसिक अवसाद के चलते घर से निकल गई थीं। उस समय उनकी दोनों बेटियां महज 7 और 8 वर्ष की थीं। परिवार ने उन्हें तलाशने के लिए हर संभव प्रयास किए, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली।

समय बीतता गया, हालात बदले और इस दौरान परिवार के मुखिया का भी देहांत हो गया। बेटियों का पालन-पोषण चाचा-चाची ने किया और बाद में उनका विवाह भी कर दिया गया। 19 नवम्बर 2021 को पुनीता को उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर से रेस्क्यू कर अपना घर आश्रम, भरतपुर लाया



अपना घर आश्रम, भरतपुर में एक मां का अपनी बेटी और दामाद से करीब 12 वर्षों बाद मिलन हुआ।

गया, जहां उन्हें सेवा, उपचार और पुनर्वास की सुविधा दी गई। लगातार

■ यह मार्मिक मिलन इस बात का प्रतीक है कि परिवार का कोई विकल्प नहीं होता। परिस्थितियां चाहे कैसी भी हों और समय कितना भी बीत जाए, अपनों से पुनर्मिलन का सुख अनमोल होता है। आश्रम प्रशासन ने आवश्यक पहचान दस्तावेजों की प्रक्रिया पूरी कर पुनीता को उनके परिजनों के साथ दरभंगा (बिहार) के लिए रवाना कर दिया।

स्वस्थ होने पर उन्होंने अपना पता गांव महिसार, जिला दरभंगा (बिहार) बताया। आश्रम की पुनर्वास टीम ने तत्परता दिखाते हुए उनके परिवार से संपर्क स्थापित किया। सूचना मिलने पर उनकी बहन फूलो देवी, बेटी राधा, दामाद शिवम और नातिन आश्रम पहुंचे। वर्षों के लंबे अंतराल और समय के बदलाव के कारण शुरुआत में कोई एक-दूसरे को पहचान नहीं सका, लेकिन जैसे ही परिचय कराया गया, माहौल भावनाओं से भर उठा। बेटी की आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े और मां-बेटी एक-दूसरे से लिपट गईं। पुनीता

को इस बात का गहरा अफसोस है कि वे अपनी दोनों बेटियों का कन्यादान नहीं कर सकीं, लेकिन अब अपने पूरे परिवार से मिलकर वे बेहद खुश हैं। दोनों बेटियां अब अपने-अपने परिवार में खुशहाल जीवन जी रही हैं। यह मार्मिक मिलन इस बात का प्रतीक है कि परिवार का कोई विकल्प नहीं होता। परिस्थितियां चाहे कैसी भी हों और समय कितना भी बीत जाए, अपनों से पुनर्मिलन का सुख अनमोल होता है। आश्रम प्रशासन ने आवश्यक पहचान दस्तावेजों की प्रक्रिया पूरी कर पुनीता को उनके परिजनों के साथ दरभंगा (बिहार) के लिए रवाना कर दिया।

पांच बदमाश पकड़े

उदयपुर,। शहर के सविना थाना पुलिस ने हाइवे पर लूट की योजना बनाने के मामले में पांच बदमाशों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से चाकू, तलवार, मोची पाउडर लठठ बरामद किया। बदमाशों ने शहर में चेन स्नैचिंग की वारदात करना कबूल किया। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक सूर्यवीरसिंह के सुपरविजन में सविना थानाधिकारी गजवीरसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने रात के दौरान मुखबरी से मिली सूचना के आधार पर बिलीया में हाईवे के पास चार जवाब लडके हाथ में तलवार व लठ्टू लेकर बैठे हैं तथा कोई अपराधिक वारदात करने की फिराक में है। इस पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर निर्माणाधीन दुकान में दबीश देकर हाइवे पर लूट की योजना बनाते नरेन्द्र, मुकेश सूरजपोल हॉल अम्बामाता घाटी बौतीवाला गोदाम के सामने सविना, आकाश पुत्र हेमराज निवासी चुंगीका कच्ची बस्ती हॉल बज्जीचा स्कूल के सामने गोवर्धन विलास, उमेश उर्फ गुड्डू पुत्र डूंगालाल निवासी गली नं. 7 रेड्डी स्पेड, मयंक उर्फ गोलु पुत्र कैलाशचन्द्र निवासी दो बटा नाले के पास लेक गार्डन चुंगीनाका गोवर्धन विलास की गिरफ्तार किया।

बिजयनगर में चोरों का आंतक



तेजाजी के मंदिर मे रखे दान पात्र को चोर ले गये।

बिजयनगर, (निसं)। तेजा चौक स्थित तेजाजी की थाने के बाहर रखे दान पात्र को निशाना बनाते हुए दान पात्र में रखी नगदी को चुरा कर ले गए। शहर में बढ़ रही चोरी की वारदातों के क्रम में विगत दिनों सब्जी मंडी स्थित बालाजी मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों में अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। शहर के धार्मिक स्थलों को चोरों के द्वारा निशाना बनाया जा रहा है नागरिकों में भय का माहौल है। शहर में अपराध

बढ़ रहे हैं उन्हें रोकने में पुलिस नाकामयाब साबित हो रही है पुलिस थाना क्षेत्र में अपराधियों के हासिल बुलंद है वही नागरिकों में पुलिस प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ रही है। शहर में आये दिन धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया जा रहा है।

प्रभावी कार्रवाई नहीं किए जाने से चोरों के हासिल बुलंद हैं। तेजा चौक मंदिर कमेटी में चोरी की घटना को लेकर आक्रोश जताया।



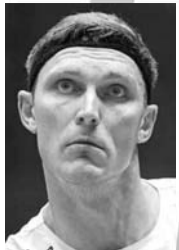
चोट काफ़ी गंभीर थी और चेहरे के अंदरूनी हिस्से को ठीक करने के लिए बड़ी सर्जरी करनी पड़ी, लेकिन इसके बावजूद वह खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि स्थिति इससे ज्यादा खराब नहीं हुई।
- बेन स्टोक्स

इंग्लैंड टीम के कप्तान, अपनी चोट को लेकर बोलते हुए।



खेल जगत

आज का खिलाड़ी



बैडमिंटन की दुनिया से एक बड़ी खबर सामने आई। डेनामार्क के दिग्गज खिलाड़ी विकटर एक्सलेसन ने 32 साल की उम्र में पेशेवर बैडमिंटन से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। बता दें कि लंबे समय से चोट से जूझ रहे एक्सलेसन ने आखिरकार अपने शरीर की स्थिति को देखते हुए यह फैसला

क्या आप जानते हैं?... भारत ने 1983 (कपिल देव) और 2011 (महेंद्र सिंह धोनी) में वनडे विश्व कप जीता है। साथ ही, 2007 में पहला टी-20 विश्व कप भी भारत के नाम रहा।

विकटर एक्सलेसन

राष्ट्रदूत कोटा, 16 अप्रैल, 2026

लिया है। पिछले साल अप्रैल में सर्जरी कराई थी और उसके बाद लंबा पुनर्वास भी किया था, लेकिन अबदुबूर में उन्हें फिर से झटका लगा। इसके बाद से वह न तो ठीक से ट्रेनिंग कर पा रहे थे और न ही प्रतिस्पर्धी स्तर पर खेल पा रहे थे, जिसके चलते उन्हें मजबूर होकर यह कठिन निर्णय लेना पड़ा है।

फिडे कैडिडेट्स 2026 : सिंदारोव ने एक राउंड पहले ही जीता खिताब

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। फिडे कैडिडेट्स 2026 के ओपन वर्ग में उभरते ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को एक राउंड शेष रहते ही खिताब अपने नाम कर लिया। राउंड 13 में अनीश गिरी के खिलाफ ड्रॉ खेलते ही उन्होंने टूर्नामेंट में अपनी बहुत को बरकरार रखते हुए खिताब पर कब्जा जमा लिया। इस जीत के साथ सिंदारोव ने इस साल होने वाले फिडे विश्व शतरंज चैंपियनशिप में मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को चुनौती देने का अधिकार हासिल कर लिया है। खास बात यह रही कि सिंदारोव पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहे और उनकी लगातार अजेय मैचों की संख्या 50 तक पहुंच गई। राउंड 13 से पहले सिंदारोव के पास दो अंकों की बढ़त थी। गिरी के लिए यह मुकाबला जीतना जरूरी था, ताकि फाइनल राउंड तक मुकाबला बना रहे, लेकिन ड्रॉ के साथ ही सिंदारोव ने खिताब सुरक्षित कर लिया। मुकाबले की शुरुआत गिरी ने 1.4 चाल से की, जिसका जवाब सिंदारोव ने बेहद मजबूत रणनीति के साथ दिया। 15वीं चाल तक कई मोहरों का आदान-प्रदान हो चुका था और खेल रानी के बिना मिडिलगेम में पहुंच गया, जो सिंदारोव की रणनीति के अनुकूल रहा। गिरी ने डी-फाइनल पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन सिंदारोव ने सटीक बचाव करते हुए उनकी सभी योजनाओं को नाकाम कर दिया। बाद में खेल रूक और ऊंट के एंडगेम में पहुंचा, जहां दोनों खिलाड़ियों को कोई बढ़त नहीं मिल सकी और अंततः तीन बार एक जैसी चाल दोहराए जाने के कारण मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

अंडर-16 स्टेट लेवल भारती कंवर मेमोरियल वनडे क्रिकेट लीग लवमित गुर्जर के पंजे से मोहन क्रिकेट अकादमी फाइनल में

जयपुर, 15 अप्रैल। चंबल स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित अंडर 16 स्टेट लेवल भारती कंवर मेमोरियल वनडे क्रिकेट लीग का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला नेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर तारीक क्रिकेट अकादमी व मोहन क्रिकेट अकादमी के मध्य खेला गया। जिसमें मोहन क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 45 ओवर में 233 रनों पर ऑल आउट हो गई। जिसमें नायफ राशिद ने नाबाद 57 रन व मानवीर ने 24 रन व अमरनाथ ने 23 रनों का योगदान दिया। तारीक क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में तवीश शर्मा ने चार विकेट और विजय शर्मा व तनिश चौहान ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी तारीक क्रिकेट अकादमी 38.5 ओवर में 113 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें उदित ने 39 रन व नीरज ने 17 रनों का योगदान दिया। मोहन क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में लवमित गुर्जर ने पांच विकेट और मनीष हरितवाल व मानवीर ने दो-दो विकेट लिए। मोहन क्रिकेट अकादमी ने 120 रन से मुकाबला जीत फाइनल में जगह बनाई। फाइनल मुकाबला भदोशिया क्रिकेट अकादमी व मोहन क्रिकेट अकादमी के मध्य शनिवार को नेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा।

अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग उदघाटन मैच में जहीरूल हसन क्लब ने एसजे पब्लिक स्कूल को हराया

जयपुर, 15 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट के क्वीनर राजेश ताम्बी ने बताया कि संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग में आज खेले गए उदघाटन मैच में जहीरूल हसन क्लब ने एस जे पब्लिक स्कूल को 81 रनों से हराया। के एल सैनी स्टेडियम पर पूल ए के मैच में जहीरूल हसन क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ब्रजेश यादव के 56 रन, रिआंश भाटिया के 37 रन, तुषार चेलानी के 47 रन, युवराज सिंह के 22 रन, सुर्याश बु हाडिया के 45 रन, व रोहन चौधरी के 51 रनों से 46 ओवर में 303 रन बनाए। एस जे पब्लिक स्कूल के लिए साहिल नायक के 41 पर 4, मोहम्मद अरीब ने 57 पर 3, देवेश व गुलजार ने 1-1 विकेट लिए। जवाबी पारी में एस जे पब्लिक स्कूल की टीम ने आदेश के 74 रन, कोवित जेनरीवाल के 18 रन, जतिन सांवरिया के 40 रन, साहिल नायक के 13 रन व गुलजार खान के 21 रनों से 45.1 ओवर में 222 रन बनाकर आउट हो गई। जहीरूल हसन क्लब के लिए युवराज सिंह ने 27 पर 3, रुद्राक्ष परवाल ने 34 पर 2, राजवीर चौधरी ने 32 पर 2, मानव रोगा व शिखर सैनी ने एक-एक विकेट लिया।

बेंगलुरु ने दर्ज की चौथी जीत, लखनऊ सुपर जायंट्स को 5 विकेट से हराया

बेंगलुरु, 15 अप्रैल। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने बुधवार को लखनऊ सुपर जायंट्स को 5 विकेट से हराया। लखनऊ की टीम 20 ओवर में सभी विकेट खोकर 146 रन ही बना सकी। इसके जवाब में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने कोहली और रजत की दमदार पारियों को बदलते 29 गेंद शेष रहते मैच अपने नाम किया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 15.1 ओवर में 5 विकेट खोकर 149 रन बनाए। बेंगलुरु के लिए कोहली ने सर्वाधिक 49 रन बनाए। लखनऊ के लिए प्रिंस यादव ने तीन विकेट लिए। लखनऊ सुपर जायंट्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 20 ओवर में सभी विकेट खोकर 146 रन बनाए। लखनऊ की ओर से सलामी बल्लेबाज मिचेल मार्श ने सर्वाधिक 40 रन बनाए, जबकि मुकुल चौधरी ने 39 और आयुष बडोनी ने 38 रन का योगदान दिया। बेंगलुरु की ओर से रिसख ने चार और भुवनेश्वर कुमार ने तीन विकेट चटकाने। इसके जवाब में बेंगलुरु की शुरुआत खराब रही। टीम ने दूसरे ओवर में फिल साॅट का विकेट गंवाया। इसके बाद देवदत्त पडिकल 10 रन बनाकर पवेलियन लौटे। विराट कोहली ने 34 गेंद में 49 रन बनाए। रजत पाटीदार ने 13 गेंद में 27 और जितेश ने 9 गेंद में 23 रन का योगदान दिया।

पहले बैटिंग करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम को चौथे ओवर में पहला झटका लगा। टीम के सलामी बल्लेबाज एडन मार्करम 8 गेंद में 12 रन ही बना सके। कप्तान ऋषभ पंत कोहली ने लगी चोट के कारण रिटायर्ड हट हो गए। हालांकि बाद में वह बैटिंग के लिए उतरे लेकिन तुरंत आउट हो गए। पूरन की खराब फॉर्म भी जारी रही और वह सात गेंद में सिर्फ एक



पंत को जोश हेजलवुड ने किया चोटिल



के दौरान चोटिल हो गए। उनकी कोहली ने चोट लगी। पंत को दर्द के कारण मैदान छोड़ना पड़ा लेकिन टीम के लडखडाने के बाद फिर बैटिंग करने आए। हालांकि, वह कुछ खास नहीं कर सके। उन्होंने 6 गेंदों में महज एक बनाया। पंत को भुवनेश्वर कुमार ने 17वें ओवर की पांचवीं गेंद पर फिल साल्ट के हाथों कैच कराया।

बेंगलुरु, 15 अप्रैल। ऋषभ पंत आरसीबी बनाम एलएसजी मैच के में चोटिल हो गए। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान मैदान से बाहर गए और फिर बैटिंग के लिए आए। उन्होंने कुल छह गेंदों का सामना किया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच बुधवार को आईपीएल 2026 का 23वां मुकाबला खेला जा रहा है। आरसीबी ने बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में टॉस जीतकर एलएसजी को बैटिंग का न्योता दिया। लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत बल्लेबाजी के दौरान चोटिल हो गए। उनकी कोहली ने चोट लगी। पंत को दर्द के कारण मैदान छोड़ना पड़ा लेकिन टीम के लडखडाने के बाद फिर बैटिंग करने आए। हालांकि, वह कुछ खास नहीं कर सके। उन्होंने 6 गेंदों में महज एक बनाया। पंत को भुवनेश्वर कुमार ने 17वें ओवर की पांचवीं गेंद पर फिल साल्ट के हाथों कैच कराया।

रन बनाने के बाद हेजलवुड की गेंद को विकेटों पर खेल गए। मार्श ने कृपाल पर चौके और छक्के के साथ आठवें ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया। बडोनी ने कृपाल की गेंद को दर्शकों के बीच पहुंचाया लेकिन मार्श इस स्पिनर की गेंद को विकेटों पर खेल गए। उन्होंने 32 गेंद का सामना करते हुए तीन चौके और दो छक्के मारे। मुकुल चौधरी एक बार फिर अच्छी लय में नजर आए। उन्होंने कृपाल पर चौके से खाता खोलने के बाद इस स्पिनर के अगले ओवर में छक्का भी मारा। बडोनी ने रिसख पर चौका मारा लेकिन इसी ओवर में विकेटकीपर जितेश शर्मा को कैच दे बैठे। उन्होंने 24 गेंद की अपनी पारी में चार चौके और एक छक्का मारा।

रिंकू 5 नं. पर खेलने लायक नहीं : श्रीकांत

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम का खराब प्रदर्शन सबको आलोचना करने का मौका दे रहा है। टीम लगातार 4 मैच हार चुकी है। इस सीजन केकेआर के उपकप्तान बनाए गए रिंकू सिंघानिया का प्रदर्शन भी बेहद खराब रहा है। जिसके बाद पूर्व क्रिकेटर कृष्णामाचारी श्रीकांत ने उनको लगातार समर्थन देने पर सवाल उठाए हैं। श्रीकांत ने साफ कहा है कि रिंकू सिंह उम्मीदों पर खरे नहीं उतरें हैं। अब भी आईपीएल में पांच लगातार छक्के मारने के कारण से मिली लोकप्रियता के सहारे चल रहे हैं। श्रीकांत ने रिंकू सिंह के नंबर 5 पर खेलने को लेकर भी संदेह जताया है।

गौतम गंभीर को हटाने से अफरा-तफरी मच सकती है : मुनाफ पटेल

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर अपने गंभीर स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। उनकी कोचिंग में टीम इंडिया ने कई नई उपलब्धियों को छुआ है। लेकिन कुछ रिपोर्ट के अनुसार गंभीर ने बीसीसीआइ से अपने कार्यकाल को 2028 के टी20 वर्ल्ड कप तक बढ़ाने की मांग की है। फिलहाल उनका कॉन्ट्रैक्ट साल 2027 के वनडे वर्ल्ड कप तक ही सीमित है। इसी बीच कुछ ऐसी भी खबरें आ रही हैं कि बोर्ड उन्हें हटा सकता है। जिस पर पूर्व क्रिकेटर मुनाफ पटेल ने तीखी प्रतिक्रिया दी।



उन्होंने कहा है कि गंभीर शायद ड्रेसिंग रूम में एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं जो सच को सच कहने की हिम्मत रखते हैं। अगर किसी बड़े से बड़े खिलाड़ी का प्रदर्शन गिरता है, तो उसे टीम से बाहर करने का भी उनमें साहस है। बस ये याद रखना अगर गौतम गंभीर जैसे हेड कोच को हटा दिया जाता है तो खिलाड़ियों को संभालना बहुत मुश्किल हो जाएगा। वह एक सच्चे इंसाफ हैं, वह सच को सच कहते हैं और बहुत से लोगों को ये पसंद नहीं आता। हर कोई जानता है कि अगर चीजें

पटरी से उतर जाती हैं तो उनमें उस खिलाड़ी को टीम से बाहर करने की हिम्मत है। ऑस्ट्रेलिया के खराब दौर के बाद रोहित और कोहली दोनों ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया तो दोनों और गंभीर के बीच तनाव की खबरें सामने आईं। 2025 में वनडे सेटअप में भी कुछ ठीक नहीं था जब इस फॉर्मेट में उनकी वापसी के समय गंभीर और चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने 2027 वर्ल्ड कप की योजनाओं में उनकी जगह की पुष्टि करने से परहेज किया। मुनाफ ने कहा कि खिलाड़ियों को संभालना सबसे जरूरी चीज है और ये आसान नहीं है। विराट कोहली जैसे किसी खिलाड़ी को ना कहकर देखो।

स्ववैश एकेडमी की इनाया और वीर ने जीते कांस्य पदक

जयपुर, 15 अप्रैल। सर्वाइ मानसिंह स्टेडियम स्थित राजस्थान स्ववैश एकेडमी की इनाया अन्नावी और वीर श्रृंगी ने कोलकाता में आयोजित तीसरे इस्टर्न चैलेंजर 2026 स्ववैश टूर्नामेंट में अपने-अपने आयु वर्ग में कांस्य पदक जीते। राजस्थान स्ववैश एकेडमी की संचालक और पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सुरभि मिश्रा ने बुधवार को यहां बताया कि कोलकाता के सटर्डे क्लब में स्ववैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में 11 से 15 अप्रैल तक आयोजित टूर्नामेंट में इनाया ने गर्ल्स अंडर-11 के क्वार्टर फाइनल में तिमिलानुडु की जे.एन. इनिया को 11-4, 11-2, 11-4 से पराजित कर सेमी फाइनल में जगह बनाई। लेकिन सेमी फाइनल में इनाया को दूसरी वरीयता का झारखंड की अविशा अग्रवाल से 7-11, 11-



5, 11-8, 12-10 से हार का सामना करना पड़ा। इनाया ने कांस्य पदक के लिए हुए मुकाबले में झारखंड की अनायाशा साहू को 11-8, 11-8, 11-5 से शिकस्त दी। वहीं बॉयज अंडर-13 में वीर श्रृंगी ने दूसरी वरीयता के निर्वाह उपपल (दिल्ली) को 11-7, 11-7, 11-7 से पराजित

कर कांस्य पदक अपने नाम किया। वीर ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में दिल्ली के अविराज घई को 11-6, 11-3, 11-2 से हरा अंतिम चार में जगह बनाई। लेकिन सेमी फाइनल में उतर प्रदेश के रिदान गुप्ता ने वीर को 11-6, 12-10, 11-3 से पराजित कर दिया।

कराते में कीर्तिमान स्थापित करने वाली बालिका मनुश्री सक्सेना का हुआ सम्मान

जयपुर, 15 अप्रैल। राजस्थान की होनहार बालिका खिलाड़ी कु. मनुश्री सक्सेना, जिन्होंने कम आयु में कराटे में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कर एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में दो बार अपना नाम दर्ज कराया है, को जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी द्वारा सम्मानित किया गया। मनुश्री सक्सेना ने वर्ष 2022 में मात्र 4 वर्ष की आयु में कराटे में ब्लैक बेल्ट (फस्ट डेग्री) प्राप्त कर एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया था। इसके पश्चात वर्ष 2026 में पुनः मात्र 8 वर्ष की आयु में ब्लैक बेल्ट (सेकंड डेग्री) प्राप्त कर एक बार फिर यह गौरव हासिल कर प्रवेश एवं देश का नाम रोशन किया है। सक्सेना ने जयपुर के पानी पेच स्थित पीएचईडी स्पोर्ट्स क्लब में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। यह क्लब वर्षों से खेल प्रतिभाओं को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जहां से प्रशिक्षित खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं।

राजस्थान क्रिकेट पर जोधपुर का दबदबा

जयपुर, 15 अप्रैल। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में पिछले दो सत्रों में जोधपुर का दबदबा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष रह चुके हैं। इस बार भी राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की एडहॉक कमेटी ने राज्य सरकार ने एक फिर बदलाव किया और कमेटी क्वीनर के साथ ही कुछ सदस्यों को भी बदला गया। सरकार ने 9वीं बार एडहॉक कमेटी का कार्यकाल बढ़ाया। नई एडहॉक कमेटी में स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खीवरर के बेटे और जोधपुर जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष धनंजय सिंह खीवरर को फिर जगह दी गई है। इनमें पूर्व मंत्री चंद्रराज सिंघवी के पोते और जोधपुर जिला क्रिकेट संघ के सचिव अरिष्ट सिंघवी को सदस्य बनाया गया है। राजस्थान रॉयल्स के उपाध्यक्ष राजीव खन्ना भी जोधपुर से ही आते हैं। जोधपुर जिला क्रिकेट संघ के कोषाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भाटी आरसीए स्कोरर पद पर भी क्रांतिज है। इसके अलावा आईपीएल मैचों में चीफ सिस्कोरिटी ऑफिसर भी है। जोधपुर में ही जन्मे और



नाममिताली राज (जोधपुर) का है, जिन्हें महिला कालिका का तैटुलर कहा जाता है। जोधपुर का क्रिकेट प्रेमी माहौल राजस्थान क्रिकेट को और मजबूत बना रहा है। बरकतुल्लाह खान स्टेडियम राजस्थान के जोधपुर में स्थित है। राजस्थान के छठे मुख्यमंत्री के नाम पर नामित यह स्टेडियम वर्तमान में मुख्य रूप से क्रिकेट के लिए उपयोग किया जाता है। आखिरी आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय (वनडे) मैच 21 नवंबर 2002 को भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेला गया था। इसके बाद, सितंबर 2022 में यहां लीजेंड्स लीग क्रिकेट के मैच आयोजित किए गए थे, लेकिन आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय द्विपक्षीय सीरीज 2002 के बाद से नहीं हुई है। इन सब के बावजूद जोधपुर के बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में आईपीएल 2026 का कोई भी मैच नहीं खेला जाएगा।

तथा इस बार आईपीएल मैचों में टिकटों की कालाबाजारी रुक पाएगी ?

जयपुर, 15 अप्रैल। इस बार राजस्थान रॉयल्स की ओर से इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के जयपुर चरण के लिए ऑनलाइन टिकट विक्री आधिकारिक रूप से शुरू हो गई है, जिसकी शुरुआत दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले से की जायेगी। राजस्थान रॉयल्स की अपने घरेलू मैदान, प्रतिष्ठित सर्वाइ मानसिंह स्टेडियम में वापसी का प्रतीक है, जहां प्रशंसक एक बार फिर लाइव क्रिकेट के रोमांचक माहौल का अनुभव करेंगे। प्रशंसकों को सहज और बेहतर टिकटिंग अनुभव प्रदान करने के लिए फ्रेंचाइजी ने एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया अपनाई है। टिकट केवल 'डिस्टिक्टेड वायुमैटो' प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं, जो राजस्थान रॉयल्स का आधिकारिक टिकटिंग पार्टनर है। लेकिन खेलप्रियों द्वारा टिकट नहीं मिलने पर ब्लैक से टिकट खरीदने को मजबूर हो जाते हैं। इसी कारण टिकटों की बढ़ती मांग को देखते हुए प्रशंसकों को सलाह दी गई है कि वे जल्द से जल्द बुकिंग करें, ताकि वे इस रोमांचक अनुभव से वंचित न रहें। क्या इस बार आईपीएल मैचों की टिकट कालाबाजारी रुक पाएगी? अगर कालाबाजारी नहीं रुकती है तो इसका जिम्मेदार कौन होगा? क्योंकि पिछले साल जयपुर में हुए आईपीएल मैचों के दौरान लालकोटि थाता और गांधी नगर इलाके में पुलिस की कार्रवाई में टिकट ब्लैक करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था, आरोपी से 2200 को रेट की 40 टिकट हुई बरामद की गई थी। एक ही दिन में हुई दो कार्रवाई से मैजमजेंट पर उठ रहे थे सवाल। एक साथ इतने टिकट कहाँ से आए इन लोगों के पास? जवाहर नगर थाना पुलिस ने भी आईपीएल मैचों के कीमत से अधिक रूपए के टिकट बेचने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 10 टिकट जिनकी कीमत एक लाख बीस हजार रूपए थी।

संसद व विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व मिलेगा- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया

जयपुर, 15 अप्रैल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक ऐतिहासिक कदम है, इससे महिलाओं की राजनीति में सहभागिता बढ़ेगी। इस अधिनियम से संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व मिलेगा एवं शिक्षा, सुरक्षा, नीति निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर महिलाओं की सीधी भागीदारी होगी। उन्होंने कहा कि इस अधिनियम के माध्यम से प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में महिलाएं और अधिक योगदान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम से महिलाओं को शिक्षा, सुरक्षा, नीति निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषयों में सीधी भागीदारी मिलेगी।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ छात्राओं ने सेल्फी व्हाइट पर सेल्फी ली।

दे सकेगी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी महिलाओं से इस अधिनियम के समर्थन में 9667173333 नम्बर पर मिस्ड कॉल करने का आ न भी किया। शर्मा बुधवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में नारी शक्ति वंदन सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि हमारा समाज और देश तभी प्रगति करेगा, जब महिलाएं हर क्षेत्र में भागीदारी निभाएंगी। हमारी

सनातन संस्कृति में महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया गया है। साथ ही, हर क्षेत्र में महिलाओं को हमेशा आगे रखा गया है।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और उनके सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में 20 लाख से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर 16 लाख से अधिक लक्ष्यपति दीदी बनाई गई। साथ ही, लाडो प्रोत्साहन योजना से

अब तक 6 लाख 50 हजार से अधिक बालिकाओं को लाभान्वित किया जा चुका है।

उपमुख्यमंत्री दिवा कुमारी ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की प्रत्येक योजना में नारी शक्ति केन्द्र में है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। इस अधिनियम से आजादी के बाद पहली बार संसद और विधानसभा में महिलाओं को 33

प्रतिशत आरक्षण मिलने जा रहा है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में सिग्नेचर वॉल पर हस्ताक्षर किए तथा मुख्यमंत्री के साथ छात्राओं ने सेल्फी व्हाइट पर सेल्फी भी ली। इस अवसर पर महिला बाल विकास राज्य मंत्री मंजू बाघमार, संसद मंजू शर्मा, महिला एवं बाल विकास शासन सचिव पूनम सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहीं।

अमेरिका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
रोकरकर उन्हें वापस भेज चुके हैं। अमेरिका का उद्देश्य स्पष्ट रूप से ईरान के तेल निर्यात को रोकना है।
लेकिन इस कदम से वैश्विक बाजार भी अस्थिर हो रहे हैं, और तेल की कीमतें, थोड़े समय के लिए गिरने के बाद, फिर से 96 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गई हैं।
दूसरी तरफ, ईरान ने भी कड़ी चेतावनी दी है और कहा कि अगर अमेरिकी नावें अमेरिकी जल नहीं रहती हैं, तो वह फारस की खाड़ी, ओमान सागर और लाल सागर के प्रमुख व्यापार मार्गों को बंद कर सकता है।

अमेरिका के ब्लॉकेड ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
चीन के पास अनुमानित 1.3 अरब बैरल का विशाल तेल भंडार है। चीन का यह भंडार देश की तेल खपत को कम से कम चार महीनों तक पूरा कर सकता है। पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद, चीन अपने भंडार से तेल जारी कर रहा है। हालांकि, नाकेबंदी के बाद, चीन लंबी अवधि की अस्थिरता की संभावना को लेकर चिंतित हो गया है। एक नया कारक रूस की घोषणाएं थीं, जिन्हें अमेरिका पूरी तरह नजरअंदाज नहीं कर सकता था। रूस के विदेश मंत्री, सर्गेई लावरोव, वर्तमान में चीन का दौरा कर रहे हैं। वे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साल के अंत में चीन के दौर

विश्व बैंक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
अप लोन की शुरूआत होगी।
भारत में विश्व बैंक के कार्यवाहक निदेशक पॉल प्रोसी ने कहा है कि इस परियोजना से युवाओं को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी, जिससे वे आर्थिक गतिविधियों वाले विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों का लाभ ले पाएंगे। इससे प्रदेश में औद्योगिक प्रतिस्पर्धा और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (आईबीआरडी) से प्राप्त 225 मिलियन डॉलर के ऋण की अंतिम परिपक्वता अवधि 35 वर्ष है, जिसमें स्टैप-अप लोन की सुविधा तथा 5 वर्ष की अनुग्रह अवधि भी शामिल है।

लखनऊ में अग्निकांड 1200 झोंपड़ियां जली

लखनऊ, 15 अप्रैल। लखनऊ के विकासनगर सेक्टर-12 रिंग सड़क किनारे बसी अवैध बस्ती में बुधवार शाम आग लग गई। देखते ही देखते आग ने 1200 झोंपड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। झोंपड़ियों में रखे 100 के करीब गैस सिलिंडर भी फटे।
आग से पूरे इलाके में भगदड़ मच गई। बस्ती में बनी झोंपड़ियों से लोग जान बचाकर भागने लगे। 22 दमकल की गाड़ियों ने मिलकर आग बुझाने का काम शुरू किया, जो रात 10 बजे तक चलता रहा। आग से 50 के करीब मवेशियों के जिंदा जलने की सूचना है, पर इसकी पुष्टि नहीं हुई। कुछ बच्चे भी लापता हैं। पुलिस व प्रशासन बस्ती में सर्व ऑपरेशन चला रहा है। लोगों का आरोप है कि सभ्य पर पुलिस व दमकल नहीं पहुंची और आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। नाराज लोगों की पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों से तीखी बहस और धक्का-मुक्की भी हुई।

आग विकास नगर के पास रिंग रोड के किनारे बसी अवैध बस्ती में लगी। अभी पता नहीं चला कि जानमाल की कितनी हानि हुई।

विकासनगर सेक्टर-12 स्थित मिनी स्टेडियम से कुछ दूरी पर तीन बीघा खाली जमीन पर वर्षोंसे लोग झोंपड़ी बना कर रहे हैं। रोज की तरह मंगलवार सब कुछ सामान्य था। शाम करीब पांच बजे अचानक एक मरिजद नुमा झोंपड़ी में आग लग। आग देखते ही बाह्य मौजूद लोगों ने उसको बुझाने की कोशिश की पर नाकाम रहे। बस्ती में आग लगने के बाद झोंपड़ियों में रखे गैस सिलिंडर एक के बाद एक फूटने शुरू हो गए।

प्रयागराज में ट्रेन हादसे में 5 की मौत

प्रयागराज, 15 अप्रैल। दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर करछना के पास बुधवार शाम हृदयविदारक दुर्घटना हुई। ट्रेन की चपेट में आने से पांच लोगों की हो गई। मरने वाले तीन युवकों की पहचान हुई है, जबकि दो की पहचान करने की कोशिश हो रही है। रेलवे की ओर से भी मामले की जांच कराई जा रही है। पुलिस और जीआरपी के अधिकारी मौके पर पहुंचकर जांच कर रहे हैं। दिल्ली-हावड़ा रेल लाइन पर पचदेवरा गांव के पास हुए हादसे के बाद ग्रामीणों की भीड़ जुटी रही।
बुधवार शाम करीब सवा छह बजे कालका एक्सप्रेस के लोको पायलट ने पचदेवरा गांव के पास पटरी पर एक युवक की लाश देखकर ट्रेन रोक दी। उसने कंट्रोल रूम को सूचना दी। ट्रेन के उदघने पर उसमें सवार कई यात्री नीचे उतर गए। चार युवक पटरी पर मौजूद थे। तभी कालका एक्सप्रेस का हार्न बजा तो पटरी पर मौजूद युवक चढ़ने के लिए आगे बढ़े।

फतेहगढ़ साहिब में बस पलटी, 8 की मौत

फतेहगढ़ साहिब, 15 अप्रैल। बैसाखी पर्व पर श्री आनंदपुर साहिब में माथा टेक कर लौट रही संगत की बस मंगलवार देर रात फतेहगढ़ साहिब के गांव भटेड़ी के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में आठ श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई। 25 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। दो गंभीर घायलों को पीजीआई चंडीगढ़ रेफर किया गया है। हादसे के कारणों का अभी पता नहीं चला है।
सूचना मिलते ही सड़क सुरक्षा बल की टीम और बस्ती पठाना पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को बस से निकाल कर तुरंत अस्पताल भेजा गया। हादसे की खबर मिलते ही एएसपी प्रोफेसर साहिब शुभम अग्रवाल, डीएसपी बस्ती पठाना राजकुमार शर्मा और विधायक रणदीप सिंह हैप्पी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने राहत कार्य का जांचा लिया। पुलिस

‘कोर्ट के लिए करोड़ों लोगों की आस्था को गलत ठहराना सबसे कठिन काम है’

सुप्रीम कोर्ट की 9 सदस्यीय संविधान पीठ ने सबरीमाला मामले में अहम टिप्पणी की

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। सबरीमाला मामले की समीक्षा सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने एक बेहद अहम टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि किसी भी संवैधानिक न्यायालय के लिए करोड़ों लोगों की धार्मिक आस्थाओं को गलत या त्रुटिपूर्ण घोषित करना सबसे कठिन कार्यों में से एक होता है।
यह टिप्पणी न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने की, जिसकी अध्यक्षता न्यायमूर्ति सुर्य कान्त कर रहे हैं। यह मामला धार्मिक स्वतंत्रता और मौलिक अधिकारों के बीच संतुलन से जुड़ा हुआ है। न्यायमूर्ति बी.वी. नागराज ने सुनवाई के दौरान कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म की मूल भावना को कमजोर नहीं किया जा सकता। उन्होंने धार्मिक मामलों में अत्यधिक न्यायिक हस्तक्षेप को लेकर सावधानी बरतने की बात कही। सुनवाई के दौरान, अदालत ने इस बात पर भी विचार किया कि क्या धार्मिक

सबरीमाला विवाद मंदिर में महिलाओं के प्रवेश से संबंधित है।

मामलों में गैर-आस्थावान व्यक्तिओं द्वारा दावर जगहित याचिकाओं पर सुनवाई होनी चाहिए। पीठ ने वरिष्ठ अधिकृत अधिपक्ष मनु सिंघवी की दलीलों को सुना, जिन्होंने आवश्यक धार्मिक प्रथाओं के सिद्धांत पर स्वावल उठाए। उनका कहना था कि यह सिद्धांत न्यायाधीशों को यह तय करने की शक्ति देता है कि किसी धर्म में क्या आवश्यक है और क्या नहीं, जो न्यायिक सीमा से बाहर जा सकता है।
सिंघवी ने कहा कि यदि कोई प्रथा सच्चे विश्वास और आस्था के साथ धर्म का हिस्सा मानी जाती है, तो उसे संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत संरक्षण मिलना चाहिए, बशर्ते वह सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य के खिलाफ न हो। सुप्रीम कोर्ट इस समय यह तय कर

कर रही है, जिनमें धार्मिक स्थलों में प्रवेश, समुदायगत प्रार्थना और महिला अधिकारों से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। यह मामला केवल सबरीमाला तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत में धर्म, आस्था और संविधान के बीच संतुलन तय करने वाला एक महत्वपूर्ण कानूनी सवाल बन गया है, जिस पर पूरे देश की नजरें टिकी हुई हैं।

सीबीएसई के कक्षा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
प्रतिशत के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर रहे। परिणाम में छात्राओं का प्रदर्शन छात्रों के मुकाबले बेहतर रहा। परिणामों के मुताबिक, 94.99 प्रतिशत छात्राएं पास हुईं, जबकि 92.69 प्रतिशत छात्र उतीर्थ हुए। ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों का पास प्रतिशत 87.50 रहा। संस्थानगत प्रदर्शन

की बात करें तो केन्द्रीय विद्यालय (केवी) ने 99.57 प्रतिशत के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया, इसके बाद जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) 99.42 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रहे। सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों का पास प्रतिशत क्रमशः 91.43 और 91.01 रहा।

केदारनाथ धाम के कपाट 22 अप्रैल से खुलेंगे

देहरादून, 15 अप्रैल। आस्था और श्रद्धा के रूप में प्रतिष्ठित केदारनाथ धाम के कपाट वर्ष 2026 की यात्रा के लिए आगामी 22 अप्रैल को प्रातः 08:00 बजे वैदिक मंत्रोच्चार, विधि-विधान एवं सनातन परंपराओं के अनुरूप श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। इससे पहले भगवान की चल-विग्रह डोली 19 अप्रैल को केदारनाथ धाम के लिए प्रस्थान करेगी।
निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 19 अप्रैल को भगवान केदारनाथ की चल विग्रह डोली ऊखीमठ से प्रस्थान कर फाटा पहुंचेगी। इसके उपरांत 20 अप्रैल को डोली प्रातः फाटा से प्रस्थान कर गौरीकुंड स्थित पवित्र गौरी माई मंदिर पहुंचेगी और रात्रि विश्राम करेगी। अगले चरण में 21 अप्रैल को प्रातः गौरीकुंड से प्रस्थान कर भगवान की डोली श्री केदारनाथ धाम स्थित मंदिर भंडार पहुंचेगी। इसके साथ ही, धाम में धार्मिक अनुष्ठानों का क्रम प्रारंभ हो जाएगा। 22 अप्रैल को प्रातः 8 बजे, शुभ मुहूर्त में, वैदिक मंत्रों एवं पूजा-अर्चना के मध्य भगवान केदारनाथ मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे, जिसके साथ ही विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ यात्रा का विधिवत शुभारंभ हो जाएगा।

भाजपा के सम्राट चौधरी ने बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली

सम्राट चौधरी ने गृह विभाग सहित 29 विभाग अपने पास रखे

पटना, 15 अप्रैल। भाजपा के सम्राट चौधरी अब बिहार के मुख्यमंत्री हैं। बुधवार को उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उनके साथ-साथ जेडीयू के विजय कुमार चौधरी और बिजेन्द्र यादव डिप्टी सीएम बने हैं।
शपथ लेने के बाद सम्राट चौधरी ने भले ही यह कहा हो कि बिहार में नरेन्द्र मोदी और नीतीश मॉडल ही चलेगा। लेकिन शपथ के कुछ घंटे बाद जो विभागों का बंटवारा हुआ, वह काफी कुछ कहता है। विभागों का बंटवारा जिस तरह से हुआ है, उससे लग रहा है कि भाजपा ही अब बिहार में सब कुछ है और जेडीयू सिर्फ सरकार में सहयोगी है।
सम्राट चौधरी के पास गृह समेत 29 विभाग हैं। वहीं, जेडीयू के दोनों डिप्टी सीएम को 18 विभाग ही मिले हैं। विजय चौधरी को 10 और बिजेन्द्र यादव को 8।
बिहार में शपथ ग्रहण के कुछ घंटों बाद विभागों का बंटवारा हो गया। अभी बिहार सरकार में सिर्फ मुख्यमंत्री और

जदयू कोटा से उपमुख्यमंत्री बने विजय चौधरी को 10 और बिजेन्द्र यादव को 8 विभाग मिले हैं।

सरकार में सबसे ताकतवर गृह विभाग माना जाता है तथा नीतीश कुमार ने भी हमेशा गृह विभाग खुद ही रखा पर इस बार जब वे मुख्यमंत्री बने थे तो उन्हें गृह विभाग भाजपा को देना पड़ा था।

दो डिप्टी सीएम हैं। विभागों का बंटवारा भी इन्हीं तीनों में हुआ है। लेकिन बंटवारा जिस तरह से हुआ है, वह विचलित है कि बिहार में सम्राट चौधरी को सरकार के भीतर सरकार वाली ताकत दी गई है। सरकार में सबसे ताकतवर गृह विभाग माना जाता है। पिछले साल नवंबर में जब विधानसभा चुनाव हुए, तब जाकर गृह विभाग भाजपा के पास आया था। मुख्यमंत्री रहते हुए नीतीश कुमार ने कभी भी गृह मंत्रालय किसी और को नहीं दिया। चुनाव के बाद सम्राट चौधरी को गृह विभाग दिया गया। दो दशकों में यह पहली बार था, जब नीतीश कुमार के पास गृह विभाग नहीं था।

2025 में हुए इस बंटवारे के बाद सम्राट चौधरी को जिस तरह से गृह विभाग मिला था, उससे ही लगने लगा था कि बिहार में भाजपा अब जेडीयू का बड़ा भाई बन गई है। इस बात का अंदाजा इससे भी लगा सकते हैं कि जब 2020 के चुनाव में जेडीयू ने 43 सीटें जीती थीं, तब भी नीतीश कुमार ने गृह विभाग अपने पास ही रखा था। महागठबंधन के साथ सरकार में भी नीतीश पर गृह विभाग छोड़ने का दबाव पड़ा था, लेकिन उन्होंने इसे अपने हाथ से जाने नहीं दिया। नीतीश कुमार जानते थे कि गृह विभाग पर पकड़ होना कितना मायने रखता है।

‘कांग्रेस महिला आरक्षण की समर्थक पर इस बिल के परिसीमन प्रावधानों का भारी विरोध करती है’

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने आवास पर विपक्षी नेताओं की बैठक के बाद प्रैस वार्ता में कहा

**नई दिल्ली, 15 अप्रैल। कांग्रेस सहित, विपक्ष के कई प्रमुख दलों ने लोकसभा में महिला आरक्षण लागू करने से संबंधित संवैधानिक संशोधन विधेयक को पेश किए जाने से एक दिन पहले बुधवार को कहा कि वे महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने के पक्ष में हैं, लेकिन इस विधेयक के परिसीमन के प्रावधानों का पुरजोर विरोध करेंगे, क्योंकि ये 'खतरनाक' है।
राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आवास पर हुई विपक्षी दलों की बैठक में नारीशक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन और परिसीमन संबंधी विधेयक पर विस्तार से चर्चा की गई तथा "सर्वसम्मति से" यह फैसला किया गया कि वे परिसीमन के प्रावधानों के खिलाफ एकजुट होकर वोट करेंगे।
बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष ने**

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा यह परिसीमन बड़ा खतरनाक है। सरकार समानुपात में सीटें बढ़ाने की बात कह रही है पर परिसीमन के प्रावधानों में यह सब नहीं दिख रहा है।

2023 में भी यही थी कि इस प्रावधान को 2024 के लोकसभा चुनाव से ही लागू किया जाए, लेकिन सरकार ने जनगणना और परिसीमन की शर्त लगा दी थी। लेकिन अब सरकार पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु चुनाव प्रचार के बीच ये तीन विधेयक ला रही है। कांग्रेस महासचिव रमेश ने कहा, "ये परिसीमन बड़ा खतरनाक है। उन्होंने आगे कहा कि गृह मंत्री और सरकार के मंत्रियों ने कहा है कि लोकसभा में 50 प्रतिशत सीटें बढ़ा दी जाएं और ये समानुपातिक तौर पर सभी राज्यों के लिए लागू होंगे, लेकिन ये बात इस विधेयक में शामिल नहीं है। इस विधेयक के आने से दक्षिण भारत के राज्यों, उत्तर-पश्चिमी भारत और पूर्वोत्तर के राज्यों का अनुपात घटेगा। बार-बार समानुपात की बात की जा रही है, लेकिन वो परिसीमन के प्रावधानों में कहीं दिख नहीं रहा है।"

संवाददाताओं से कहा, हम सभी महिला आरक्षण विधेयक के पक्ष में हैं। हालांकि, जिस तरह से इसे लाया गया है, वह संदिग्ध है और हमें इस पर गंभीर आपत्ति है। यह राजनीति से प्रेरित है। मोदी सरकार विपक्षी दलों को निशाना बनाने और दबाने के लिए इस तरह के काम कर रही है।
उनका कहना था कि हमने महिला आरक्षण विधेयक का लगातार समर्थन किया है और इस बात पर जोर दिया है कि इसे पहले पारित संशोधन के आधार पर लागू किया जाना चाहिए। खड़गे ने आरोप लगाया कि लगता है कि

परिसीमन पर सरकार कुछ गलत मंशा के साथ काम कर रही है।
उन्होंने कहा कि इस्तिफा सभी विपक्षी दल एकजुट होकर संसद में संघर्ष करने जा रहे हैं। मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूँ कि हम महिला आरक्षण विधेयक के खिलाफ नहीं हैं। साल 2023 में अनुच्छेद 334(ए) को संविधान में शामिल किया गया था। इसमें सर्वसम्मति से महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण देने की बात की गई थी। हम चाहते हैं कि उस प्रावधान को तुरंत लागू किया जाए।
उनका कहना, "हमारी मांग

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायका हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-उजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधाम एम.आई.रेंज, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स: 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय: कुम्भाना हाऊस, हुमायूँन रोड, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आर्य मैन रोड आर्यड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स: 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रपति भवन, चुंगी नाला के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स: 0145-2624665 जालौर कार्यालय: जालौर फोन 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 डिजिटल सिटी कार्यालय: - जे - जे - 1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिष्डीनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908